वाराणसी शुक्रवार
15 नवम्बर 2024
वर्ष : 1 अंक : 28
मूल्य : 4.00 रुपए
पृष्ठ : 08
Title Code : UPHIN51376

ujalasanchar376@gmail.com

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

उजाला संचार

वाराणसी से प्रकाशित तथा लखनऊ, बरेली, कानपुर, प्रयागराज, चंदौली, सोनभद्र, मिर्जापुर बलिया, जौनपुर, गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़, गोरखपुर, भदोही, देवरिया सहित यूपी, बिहार, दिल्ली से प्रसारित

अवैध खनन की अब डिजिटल निगरानी करेगी योगी सरकार

डिजिटल ऐप से होगा प्रदेश के प्रत्येक पट्टे का निरीक्षण, प्रदेश में पारदर्शी खनन व्यवस्था से अवैध खनन पर लगेगी लगाम

- अवैध खनन की गतिविधि पर त्वरित कार्रवाई करेगी योगी सरकार
- अवैध खनन पर रोक से प्रदेश के राजस्व में बढ़ोतरी की उम्मीद

उजाला संचार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की शासन व्यवस्था में लगातार तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। तकनीक का सहारा लेकर योगी सरकार प्रदेश में पारदर्शी शासन व्यवस्था लागू करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रही है। इसी के मद्देनजर प्रदेश का भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग अवैध खनन और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए खनन पट्टों की निगरानी के लिए विशेष निरीक्षण ऐप की शुरूआत की है। माइनिंग मित्र पोर्टल के सफल संचालन के बाद अब अवैध खनन पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने के लिए सरकार अब खनन की गतिविधियों की डिजिटल निगरानी करेगी।

बता दें कि उत्तर प्रदेश माइन मित्र, खनन व्यवसाय में पारदर्शिता लाने और अवैध गतिविधियों से निपटने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की एक योजना है। इस योजना के तहत, खनन से जुड़ी कई सेवाओं को ऑनलाइन किया गया है। सीएम योगी के निर्देश पर उत्तर प्रदेश के भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय ने राज्य के खनन पट्टों पर प्रभावी निगरानी के लिए एक विशेष 'निरीक्षण ऐप' विकसित किया है। इस ऐप का उद्देश्य खनन क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण रखने और खनन कार्यों को पारदर्शी बनाने बनाना है। ऐप के माध्यम से प्रत्येक खनन पट्टे का निरीक्षण अब डिजिटल माध्यम से एक क्लिक पर संभव हो सकेगा, जिससे किसी भी अवैध खनन गतिविधि पर तुरंत नजर रखी जा सकेगी और त्वरित कार्रवाई की जा सकेगी।

सचल दलों द्वारा वास्तविक समय पर होगी निगरानी

भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की निदेशक माला श्रीवास्तव ने बताया कि 'निरीक्षण ऐप' का उपयोग सचल दलों द्वारा राज्यभर के खनन पट्टों में नियमित जांच के लिए किया जाएगा। यह ऐप न केवल निरीक्षण प्रक्रिया में पारदर्शिता लाएगा, बल्कि जांच के परिणामों को त्वरित और एक क्लिक पर उपलब्ध कराने में भी सक्षम होगा। ऐप के माध्यम से विभिन्न जिलों में सक्रिय खनन पट्टों की निगरानी की जाएगी, जिससे राज्य में अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगेगा।

खनन पट्टा धारकों की तय होगी जवाबदेही

इस ऐप के माध्यम से खनन पट्टा धारकों की जवाबदेही भी सुनिश्चित की जाएगी। ऐप के डेटा से हर खनन पट्टे की जानकारी अब डिजिटल रूप में उपलब्ध होगी, जिससे स्थानीय और उच्च स्तर के अधिकारियों को सभी गतिविधियों का सटीक निरीक्षण प्राप्त होगा। निदेशक माला श्रीवास्तव ने बताया कि यह ऐप खनन पट्टे पर हुई प्रत्येक गतिविधि को रिकॉर्ड करेगा और इसकी समीक्षा करने की सुविधा भी देगा। इससे खनन पट्टा धारकों के कार्यों में पारदर्शिता बनी रहेगी और उन्हें अपनी जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि किसी भी गड़बड़ी की स्थिति में खनन पट्टा धारकों की इसके माध्यम से जवाबदेही भी तय की जाएगी।

ऐप के माध्यम से अवैध खनन पर रोक के साथ ही राजस्व में बढ़ोतरी की है उम्मीद

माला श्रीवास्तव ने बताया कि निरीक्षण ऐप से अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगेगा। किसी भी पट्टे में अनाधिकृत खनन गतिविधि होने पर ऐप द्वारा त्वरित सूचना संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाई जा सकेगी, जिससे अवैध खनन पर त्वरित कार्रवाई करना संभव होगा। इसके अतिरिक्त राज्य के खनन क्षेत्र में अनुशासन और पारदर्शिता आने से राजस्व में भी बढ़ोतरी की उम्मीद है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा दिया जा रहा प्रशिक्षण

निदेशालय द्वारा ऐप का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश के सभी जिलों के अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को ऐप की सभी विशेषताओं, कार्यप्रणाली और डेटा एंट्री प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। ऐप के सुचारू उपयोग से अवैध खनन पर निगरानी सटीकता से की जा सकेगी।

डिजिटल निगरानी से कुशल खनन संचालन की उम्मीद

भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय द्वारा विकसित निरीक्षण ऐप से राज्य में खनन पट्टों की निगरानी में सुधार होगा। इससे जहां एक ओर अवैध खनन गतिविधियों पर रोक लगेगी, वहीं दूसरी ओर राज्य के खनन क्षेत्र में अनुशासन और पारदर्शिता की नींव मजबूत होगी।

ऐप के सफल क्रियान्वयन से न केवल राजस्व में वृद्धि होगी, बल्कि राज्य के खनन क्षेत्र का डिजिटलीकरण और सुगम प्रशासन की दिशा में भी यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने दी बड़ी राहत

वन डे वन शिफ्ट को मिली मंजूरी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने पीसीएस-प्री और आरओ-एआरओ की परीक्षा में वन डे वन डे वन शिफ्ट का मंजूरी दे दी है। प्रतियोगी छात्रों के आंदोलन के चलते आयोग ने गुरुवार को एक बैठक में यह निर्णय लिया है। प्रतियोगी छात्र पिछले चार दिनों से प्रयागराज में आयोग कार्यालय के सामने नॉर्मलाइजेशन और दो शिफ्ट में होने वाली परीक्षाओं का विरोध कर रहे थे।

आयोग के अधिकारियों ने बैठक में छात्रों की मांग को मानते हुए फिलहाल आरओ-एआरओ की परीक्षा स्थगित कर दी है। वहीं, पीसीएस-प्री की परीक्षा एक दिन में ही करवाने का निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा वन शिफ्ट में कराने की आयोग की मांग मान ली है। वहीं समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी की 22 व 23 दिसंबर को प्रस्तावित परीक्षा स्थगित करते हुए एक समिति का गठन कर दिया है, जो परीक्षा के प्रारूप पर निर्णय लेगी। बैठक के बाद पीसीएस-प्री परीक्षा के संबंध में सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि विगत कुछ महीनों से देश के विभिन्न हिस्सों में चयन परीक्षाओं में पेपर लीक के मामले सामने आए थे, जिसमें विभिन्न संस्थानों की संलिप्तता पाई गई थी।

इसे ध्यान में रखकर चयन परीक्षाओं की शुचिता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विगत दिनों प्रदेश 5 लाख से अधिक अभ्यर्थियों की संख्या वाली चयन परीक्षाओं को एकाधिक पालियों में आयोजित करने की अपेक्षा राज्य सरकार ने की थी, जिसके क्रम में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आवश्यक कार्यवाही शुरू की गई।

इसी उद्देश्य के साथ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आगामी दिसंबर में प्रस्तावित पीसीएस (प्रारंभिक) परीक्षा 2024 एवं समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी आदि (प्रा.) परीक्षा-2023 को भी एकाधिक पालियों में आयोजित करने की घोषणा की गई थी। उक्त के संबंध में विगत कुछ दिनों से कुछ छात्रों द्वारा की जा रही मांग का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया और मुख्यमंत्री जी ने आयोग की छात्रों के साथ संवाद और समन्वय बनाकर आवश्यक निर्णय लेने को कहा। इस पर आयोग ने छात्रों से संवाद बनाकर सम्यक रूप से यह निर्णय लिया।

मुख्यमंत्री योगी की पहल पर आयोग पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा 2024 को पूर्व की भांति एक दिवस में कराए जाने का निर्णय लिया गया है। इसी प्रकार, समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी आदि (प्रा.) परीक्षा-2023 को पारदर्शी, गुणधर्मिता एवं सुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से सारे तथ्यों का समेकित अनुसंधान एवं विश्लेषण करने हेतु आयोग द्वारा समिति का गठन किया गया है। जो सभी पहलुओं पर विचार कर अतिशीघ्र अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

बता दें कि प्रदेश के 41 जिलों में पीसीएस-प्री की परीक्षा आयोजित थी। परीक्षा दो दिन सात और आठ दिसंबर में होनी थी, जिसके परिणामों में आयोग ने नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया लागू करने की बात कही थी।

इसके पीछे यह तर्क था कि शासन की ओर से जारी दिशानिर्देश के अनुसार, एक दिन में पांच लाख परीक्षार्थियों को परीक्षा में बैठाया जाना चाहिए। इसके साथ ही, प्रशासनिक भर्तियों की परीक्षाएं केवल सरकारी संस्थानों में ही आयोजित की जानी चाहिए।

अपनी दिनचर्या का रखें ध्यान, नहीं होंगे मधुमेह के शिकार: सीएमओ

गुरुवार को मनाया गया विश्व मधुमेह दिवस, व्यक्ति को करना चाहिए शारीरिक श्रम तथा व्यायाम, जीवनशैली में परिवर्तन, सही खानपान और दिनचर्या से इस बीमारी से पायेंगे निजात

उजाला संचार

वाराणसी। मधुमेह रोग की गंभीरता को देखते हुये प्रत्येक वर्ष 14 नवम्बर को ₹विश्व मधुमेह दिवस₹ मनाया जाता है। वर्ष 2024 में इसकी थीम "Breaking Barriers, Bridging Gaps" है। इस क्रम में पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय, एसएसपीजी कबीर चौरा, साथ ही सभी सीएचसी, पीएचसी तथा सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर में भी शिविर का आयोजन किया गयो मधुमेह एक ऐसी समस्या है जो तेजी से दुनिया में फैलती जा रही है। वहीं बात करें भारत की तो हमारा देश मधुमेह का सबसे बड़ा शिकार बनता जा रहा है। इस रोग के फैलने के कारणों की बात करें तो खानपान और लाइफस्टाइल में बदलाव मधुमेह के सबसे बड़े कारण है। मधुमेह को शुरूआत में ही कंट्रोल कर लेना बहुत जरूरी है। इसकी जानकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संदीप चौधरी ने दी।

उन्होंने बताया कि जब शरीर में इंसुलिन का बनना कम हो जाता है, तो खून में ग्लूकोज का स्तर बढ़ जाता है, ऐसी स्थिति को हम मधुमेह कहते हैं इंसुलिन का काम शरीर में भोजन को एनर्जी में बदलना होता है और इसी हार्मोन के कारण शरीर में शुगर की मात्रा भी नियंत्रित होती है जब किसी व्यक्ति के शरीर में भोजन को एनर्जी में बदलने की दिक्कत होती है, तब ऐसी स्थिति में शरीर में शुगर की मात्रा नियंत्रित नहीं होती और व्यक्ति मधुमेह के शिकार हो जाते हैं इसलिए सजग और सतर्क रहें।

सीएमओ ने बताया कि टाइप वन, टाइप टू प्रकार के मधुमेह होते हैं टाइप वन मधुमेह प्रायः बचपन या युवावस्था में होता है इसमें अग्नाशय ग्रंथि से बहुत कम मात्रा में इंसुलिन उत्पन्न होती है, इसके रोगी को नियमित रूप से रक्त ग्लूकोज के नियंत्रण के अलावा जीवित रहने के लिए इंसुलिन लेनी पड़ती है वहीं टाइप 2 मधुमेह 45 वर्ष से ऊपर के व्यक्ति को होता है पीड़ित मरीजों में लगभग 90 फीसदी टाइप 2 मधुमेह के रोगी होते हैं व्यक्ति को शारीरिक श्रम तथा व्यायाम करते रहना चाहिऐ जीवनशैली में परिवर्तन, सही खानपान और सही दिनचर्या से इस बीमारी से निजात पाया जा सकता है।

उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं एनसीडी कार्यक्रम के नोडल डॉ वाईबी पाठक ने बताया कि पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय के एनसीडी क्लीनिक में 140 लोंगो के मधुमेह की जाँच तथा एल्डर्ली क्लीनिक एसएसपीजी कबीर चौरा में 40 लोंगो की जाँच की गईं साथ ही सभी सीएचसी, पीएचसी तथा सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर में भी शिविर का आयोजन किया गया।

भारत में वैज्ञानिक अनुसंधान बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा आईसीएमआरः अनुप्रिया पटेल

लखनऊ। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने देश में वैज्ञानिक नवाचार बढ़ाने में आईसीएमआर के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि भारत के वैज्ञानिक परिदृश्य में संरचनात्मक बदलाव हो रहा है। पटेल ने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के 113वें स्थापना दिवस पर आयोजित डीएचआर-आईसीएमआर हेल्थ रिसर्च एक्सिलेंस समिट 2024 में कहा कि आईसीएमआर भारत में वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है और जैवचिकित्सा तथा वैज्ञानिक क्षेत्र में उसके योगदान का एक समृद्ध इतिहास है। उन्होंने कहा कि आज शुरू की जा रहीं अनेक योजनाएं अनुसंधान विचारों और अवधारणाओं को आगे बढ़ाने में मददगार होंगी।

योगी सरकार सभी मोर्चे पर फेल, छात्रों के आंदोलन को मेरा पूर्ण समर्थन : अखिलेश यादव

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश में प्रयागराज की फूलपुर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी ने पूरी ताकत झोंक रखी है। फूलपुर में गुरुवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर जमकर हमला बोला। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रैली में आए लोगों से कहा, ₹जिस समय हम और आप इस मैदान में एक-दूसरे के सामने हैं, प्रयागराज में बड़ी संख्या में नौजवान आंदोलन कर रहे हैं। यह आंदोलन पढ़े लिखे नौजवान कर रहे हैं।

वे नौजवान है जो कल अधिकारी बनेंगे, आज इस सरकार ने उन युवकों को भी आंदोलन में झोंक दिया है। मैं तमाम युवक और युवतियों को बधाई देना चाहता हूं कि अपनी आवाज को बुलंद करने के लिए वे पीछे न हटें। सरकार तमाम तरीके अपनाकर नौजवानों के आंदोलन को दबाना चाहती है। इसके बावजूद नौजवान अपनी मांगों को लेकर सरकार को जगाना चाहते हैं।₹

उन्होंने छात्रों के आंदोलन को ₹पूर्ण समर्थन₹ देने की घोषणा की और कहा, ₹जो लोग 'एक देश, एक चुनाव' की बात कर रहे हैं, वे एक परीक्षा नहीं करवा पा रहे हैं। भाजपा की अहंकारी सरकार यदि यह सोच रही है कि वह आंदोलनकारी अभ्यर्थियों के आंदोलन को खत्म कर देगी तो यह उसकी महाभूल है।₹

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनता से किए वादों को पूरा करने में असफल साबित हुई है। पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) गठबंधन से भाजपा परेशान है। जनता की बुनियादी सुविधाओं से ध्यान भटकाने के लिए नकारात्मक राजनीति का सहारा ले रही है। प्रदेश में कानून-व्यवस्था से लेकर रोजगार देने तक, यह सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है।

हेमंत सोरेन सरकार की उल्टी गिनती शुरू: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर

निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बाद उनकी सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। शाह ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) झारखंड में सरकार बनाने को लेकर आश्वस्त है। सोरेन और झामुमो नीत गठबंधन के नेताओं पर झारखंड के समृद्ध खनिज और अन्य संसाधनों को लूटने का आरोप लगाते हुए शाह ने कहा कि उन्होंने राज्य के गरीबों के लिए केंद्र द्वारा भेजे गए 3.90 लाख करोड़ रुपये भी हड़प लिए हैं। शाह ने गांडेय में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। हम हेमंत सोरेन को जनता के लूटे हुए पैसे को भ्रष्ट नेताओं में बांटने से रोकेंगे। जनता से लूटा गया एक-एक पैसा राज्य के खजाने में वापस किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड में हेमंत सोरेन की नाक के नीचे घुसपैठ होने की वजह से आदिवासियों और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) की आबादी कम हो रही है, लेकिन कल्पना सोरेन उनसे ही वोट मांग रही हैं।

डोमिनिका ने की पीएम मोदी को अपना सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान देने की घोषणा

कोरोना काल में भारत ने की थी मदद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को डोमिनिका द्वारा मिलने वाला सम्मान न केवल भारत और डोमिनिका के बीच दोस्ती और सहयोग का प्रतीक है, बल्कि यह वैश्विक महामारी के कठिन समय में भारत के समर्थन की भी मान्यता है।

डोमिनिका की सरकार ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कोविड-19 महामारी के दौरान उनके देश की मदद करने के लिए और दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत करने के लिए सम्मानित करने का फैसला किया है। इसके लिए डोमिनिका का सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार, ₹डोमिनिका अवार्ड ऑफ ऑनर₹, पीएम मोदी को दिया जाएगा। डोमिनिका के प्रधानमंत्री कार्यालय ने अपने बयान में कहा है कि यह पुरस्कार कोविड-19 महामारी के दौरान डोमिनिका को मिले भारतीय समर्थन के प्रति कृतज्ञता और दोनों देशों के बीच बढ़ती साझेदारी के प्रतीक के रूप में दिया जाएगा।

भारत का योगदान और वैक्सीन डिप्लोमेसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने फरवरी 2021 में कोविड-19 के दौरान डोमिनिका को एस्ट्राजेनेका वैक्सीन की 70,000 खुराक प्रदान की थीं। वैक्सीन की यह आपूर्ति भारत की ₹वैक्सीन मैत्री₹ नीति के तहत की गई थी, जिसका उद्देश्य विकासशील देशों को महामारी से लड़ने में मदद करना था।

भारत-कैरीकॉम शिखर सम्मेलन में पुरस्कार समारोह

डोमिनिकन राष्ट्रपति सिल्वेनी बर्टन आगामी भारत-कैरीकॉम (कैरेबियन समुदाय) शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी को यह सम्मान प्रदान करेंगे। यह शिखर सम्मेलन 19 से 21 नवंबर के बीच जॉर्जटाउन, गुयाना में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर भारत और कैरिबियाई देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने पर विचार किया जाएगा।

संविधान खोखला नहीं इसमें हिन्दुस्तान की आत्मा हैः राहुल गांधी

दुरबार। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी गुरुवार को महाराष्ट्र के नंदुरबार में थे। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा।

यहां उन्होंने चुनावी सभा को संबोधित किया। राहुल गांधी ने कहा है कि दो विचारधाराओं और दो सोच की टक्कर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि मैं जनता के बीच जो संविधान दिखाता हूं वह खाली है। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि संविधान उनके लिए खाली है क्योंकि उन्हें पता नहीं है कि संविधान के अंदर क्या लिखा है। राहुल गांधी ने कहा, मुझे लाल रंग से फर्क नहीं पड़ता है। संविधान के अंदर जो लिखा है इसके लिए मैं जान देने के लिए तैयार हैं। इंडी एलायंस संविधान की रक्षा कर रही है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहना चाहता हूं कि संविधान खोखला नहीं है। इसमें बिरसा मुंडा, भगवान बुद्ध, गांधी, फुले की सोच है। इस संविधान में हिंदुस्तान का ज्ञान है, देश की आत्मा है। जब पीएम नरेंद्र मोदी संविधान को खोखला कहते हैं,

तो वे बिरसा मुंडा जी, भगवान बुद्ध, गांधी जी, फुले जी, अंबेडकर जी का अपमान करते हैं। संविधान में आपको 'आदिवासी' नाम दिया गया है। लेकिन भाजपा-आरएसएस के लोग आपको 'वनवासी' कहते हैं। आदिवासी और वनवासी में बहुत बड़ा फर्क है।

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

उजाला संचार

संक्षिप्त समाचार

ट्रैक्टर से जुताई कराते वक्त किसान की रोटावेटर से कटकर हो गई मौत

उजाला संचार, कालपी। ट्रैक्टर से जुताई कराते समय बोनट में गिरे किसान की रोटावेटर की चपेट में आने से कटकर मौत हो गई। हादसे के बाद चालक फरार हो गया। परिजन जब रात को खेत पर पहुंचे तो शव पड़ा देख कोहराम मच गया। कोतवाली क्षेत्र के लुहरगांव निवासी रामबली (42) रविवार रात गांव के ही सियाशरण के ट्रैक्टर से खेत में जुताई करवाने के लिए रोटावेटर लेकर गए थे। उसके साथ ट्रैक्टर चालक भी था। रात में जुताई कराते समय ट्रैक्टर की बोनट पर बैठा रामबली रोटावेटर के ऊपर गिर गया। इससे उसकी कटकर मौके पर ही मौत हो गई। रात में जब वह घर नहीं पहुंचा तो परिजन खेत पर पहुंचे तो शव पड़ा देखा और चालक भाग गया था। परिजनों ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दी। परिजनों ने बताया कि वह खेती करते थे। उनके तीन पुत्र हैं। किसान की मौत से पत्नी मूर्ति देवी व परिजन रो-रोकर बेहाल हैं। कोतवाल नागेंद्र पाठक ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पता किया जा रहा है कि हादसे के वक्त कौन ट्रैक्टर चला रहा था। ट्रैक्टर मालिक सियाशरण को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

राजमार्ग अवरुद्ध होने से पूरे दिन राजमार्ग पर लगा गाड़ियों का जाम

उजाला संचार, भांवरकोल (गाजीपुर)। स्थानीय विकास खंड क्षेत्र के मिजार्बाद अदाई गांव सामने राजमार्ग संख्या -३१ पर आज बीती रात साढ़े बारह बजे के आसपास धान की बोरी लदा ट्रक राजमार्ग पर पलटने से पूरे देर शाम तक आवागमन बाधित रहने से वाहनों का जाम लगा रहा।बतात जाता है उक्त लंबा ट्रक गाजीपुर जिले के फतेउल्लाहपुर से धान की बोरी लादकर विहार के सासाराम जिले के नोखापुर मार्केट के लिए चला था।मिजार्बाद गांव के सभी तभी सामने से एक ट्रक को निकल कर जाने के लिए अपने साईड के कच्चे गड्ढे युक्त किनारे की जमीन पर उसका बाएं तरफ के पहिए उतरे कि कच्चे गड्ढे की वजह से असंतुलित होकर बीच सड़क पर उलट पड़ जिससे उसमें भरे ध्यान की बोरियां निकल कर जमीं पर विखर पड़ी। उक्त ट्रक के पलटने से सड़क किनारे पटरी पर सीताराम की गुमटी की पान की दुकान सामने लगाइ करकट शेड भी दबकर गिर गया। यदि यही घटना दिन में हुई तो जान-माल की क्षति होने की संभावना थी। समाचार लिखे तक ट्रक पलटा ही रहा।

जब एसडीएम से मिलने स्कूटी से पहुंचे सदर विधायक योगेश वर्मा, वजह जानकार हो जाएंगे हैरान

लखीमपुर खीरी। छह साल से पैमाइश न होने का पूरा मामला ये वीडियो देखकर समझ जाएंगे। जब बुजुर्ग की जमीन पैमाईश के लिए सदर विधायक योगेश वर्मा स्कूटी से गए थे। बीते महीने स्कूटी से SDM अश्वनी सिंह से मिलने पहुँच गये थे। इस दौरान पता चला कि अफसरों व लेखपाल ने फ्रर पदाधिकारी से भी सुविधा शुल्क ले लिया था. जमीन पैमाइश का काम फिर भी नहीं हुआ था। यह वीडियो उस वक्त का बताया जा रहा...देखिए विधायक अधिकारियों के मकड़जाल से असहज हो गए...डीएम से बात करने की बात कर रहे...कह रहे हमारे आरएसएस के खंड कार्यवाह से 5 हजार रुपये ले लिया गया।

आरएसएस से जुड़े मामले में कार्रवाई, कई बड़े अफसर सस्पेंड

लखीमपुर। खेत की पैमाइश न कराने के पुराने मामले में कार्रवाई, आरएसएस से जुड़े व्यक्ति की जमीन प्रकरण मामले में कार्रवाई, खीरी में तैनात रहे कई अफसर सस्पेंड, राजस्व परिषद से संबद्ध, IAS अपर आयुक्त लखनऊ मंडल घनश्याम सिंह , बाराबंकी में तैनात ADM अरुण सिंह , झाँसी में तैनात PCS विधेश सिंह , बुलंदशहर में SDM रेनू सस्पेंड।

बीएनएस से सम्बन्धित अपहृता/ पीड़िता की सकुशल बरामदगी, वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

उजाला संचार, बलिया। पुलिस अधीक्षक महोदय बलिया श्री विक्रान्त वीर के कुशल निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में श्रीमान् अपर पुलिस अधीक्षक महोदय (दक्षिणी) श्री कृपा शंकर के सफल पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी नगर श्री गौरव कुमार व श्री राकेश कुमार सिंह प्रभारी निरीक्षक दुबहड़ बलिया के नेतृत्व में थाना दुबहड़ पुलिस को मिली सफलता। उल्लेखनीय है कि दिनांक 13.11.2024 को थाना दुबहड़ पुलिस टीम के उ0नि0 उमापति गिरी मय हमराह का0 पंकज कुमार, म0का0 साधना वर्मा के देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति/ वाहन व थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 175/2024 धारा 137(2)/87 बीएनएस से संबंधित वांछित अभियुक्त अजय वर्मा पुत्र स्व0 लक्ष्मण वर्मा निवासी सरसपाली थाना कोतवाली बलिया जनपद बलिया की गिरफ्तारी व अपहृता/ पीडिता की बरामदगी हेतु लगातार प्रयास किया जा रहा था जिसके क्रम में अभियोग उपरोक्त से सम्बन्धित अपहृता की सकुशल बरामदगी करते हुये अभियुक्त अजय वर्मा पुत्र स्व0 लक्ष्मण वर्मा निवासी सरसपाली थाना कोतवाली बलिया जनपद बलिया को रेलवे स्टेशन बलिया के पास से समय करीब 11.45 बजे हिरासत पुलिस में लिया गया।

पुलिस अधीक्षक व अपर पुलिस अधीक्षक बलिया द्वारा पुलिस लाइन के आर.डी त्रिपाठी हाल में पुलिस फोर्स को किया गया ब्रीफ, दिये गये आवश्यक दिशा निर्देश

कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर्व व ददरी मेला को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु ड्यूटी में लगे सभी पुलिस अधि0/कर्म0गण की ब्रीफिंग की गयी

उजाला संचार

बलिया। जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष सहित अन्य अधि0/कर्म0गण रहे मौजूद। पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद बलिया श्री विक्रान्त वीर द्वारा कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर्व तथा ददरी मेला को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु जनपद के अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) श्री कृपा शंकर, अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) श्री अनिल कुमार झा तथा समस्त क्षेत्राधिकारी व प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष सहित अन्य अधि0/कर्म0गण के साथ पुलिस लाइन बलिया के आर.डी त्रिपाठी हाल में ड्यूटी में लगे समस्त अधि0/कर्मचारियों की ब्रीफिंग की गयी । जिसमें पुलिस अधीक्षक महोदय, अपर पुलिस अधीक्षक

महोदय उत्तरी एवं दक्षिणी द्वारा सभी ड्यूटी के बारे में विस्तृत रूप से ब्रीफ किया गया।

बलिया पुलिस द्वारा कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर्व व ददरी मेला को सकुशल सम्पन्न की तैयारियां पूर्ण कर ली गयी हैं। पुलिस अधीक्षक बलिया महोदय द्वारा कार्तिक पूर्णिमा स्नान घाटों का निरीक्षण किया जा चुका है।स्नान में घाटों की सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत रउक्रक्र टीम, स्थानीय नाविकों/ गोताखोरों की तैनाती की गयी है। यातायात व्यवस्था हेतु रूट डायवर्जन किया गया है । सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु लगभग एक हजार से अधिक पुलिस फोर्स की तैनाती की गयी है। स्नान घाट की साफ सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, लाइटिंग और अन्य सुविधाओं के दृष्टिगत सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये हैं।

ब्रीफिंग के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) श्री कृपा शंकर, अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) श्री अनिल कुमार झा, एस.डी.एम सदर श्री अत्रेय मिश्रा , क्षेत्राधिकारी नगर श्री गौरव कुमार शर्मा, क्षेत्राधिकारी सदर श्री श्यामकान्त, क्षेत्राधिकारी रसड़ा श्री मो0 फहीम कुरैशी, क्षेत्राधिकारी बांसडीह श्री प्रभात कुमार, मुख्य अग्निशमन अधिकारी श्री धीरेन्द्र सिंह यादव, प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक श्री शिवांक सिंह, प्रतिसार निरीक्षक श्री सुभाष यादव, प्र0नि0 कोतवाली सहित अन्य अधि0/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

ब्लाक प्रमुख हीरा सिंह यादव सरस्वती शिशु मंदिर के अर्धवार्षिक परीक्षा में छात्रों अव्वल आने पर छात्रों को किया सम्मानित

***आज के समय मे भी भारतीय संस्कृति के प्रतिनिधित्व कर शिक्षा के साथ संस्कार केवल शिशु मंदिर में ही बच्चों को किया जाता हैं बाल विकास - ब्लाक प्रमुख हीरा सिंह यादव**

उजाला संचार

सैदपुर। भैया बहनो को किया गया सम्मानित आज विद्यालय सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सैदपुर पक्का घाट के वन्दना सत्र में सैद?पुर ब्लाक के प्रमुख हीरा सिंह यादव एवं विद्यालय के अध्यक्ष डा० पी०एन० सिंह उपस्थित होकर बाल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अर्द्धवार्षिक परीक्षा में अव्वल आए विद्याथीयो को मेडल प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया इस दौरान मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख हीरा लाल यादव जी ने सभी बच्चो को अग्रिम परीक्षा हेतु उत्साहवर्धन के साथ शुभकामना एवं बधाई प्रेसित किया। इसी क्रम में विद्यालय के प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष डा० पी०एन० सिंह ने कहा कि बच्चो को एक लक्ष्य निर्धारित करके एवं लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर एकाग्रता के साथ अपने लक्ष्य की प्राप्ति करना चाहिये । कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के व्यवस्था प्रमुख गोपाल यादव के द्वारा किया गया इसी क्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेश कुमार लाल सभी का आभार यक्त करते हुए कार्यक्रम की समापन की घोषणा किया । इस अवसर पर ब्लाक प्रमुख हीरा सिंह यादव, डॉ0 पी०एन०सिहं, शुभम कुमार मोदनवाल, ओम प्रकाश मधुबाला , गुंजन ,साधना सोनी. गायत्री , रामदरश , शिवम , यशवर्धन ,कालेन्द्र आदि उपस्थित रहे।

ग्राम प्रधान द्वारा लगाया गया सीमेंट का कुर्सी क्षतिग्रस्त

उजाला संचार

गहमर। कोतवाली क्षेत्र के भतौरा गांव मे ग्राम प्रधान के द्वारा लगाए गए सीमेंट की कुर्सी क्षतिग्रस्त हो गई है । जिससे लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। लोगों ने बताया कि कई बार संबंधित ग्राम प्रधान से मामले की शिकायत की गई है लेकिन अभी तक स्थित जस के तस बनी हुई है। संजय ठाकुर, तारकेश्वर, संजय राम, आदि ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए बताया कि शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं में संबंधित अधिकारी कर्मचारी और जनप्रतिनिधि मिलीभगत लाभ के चक्कर में दोयम दर्जे के घटिया किस्म के सामानों का प्रयोग करते है। जिसका नतीजा यह होता है कि कागजी तौर पर भौतिक सत्यापन के साथ उस चीज को पूरा कर दिया जाता है। लेकिन लोगों को

इसका लाभ ज्यादा दिन तक नहीं मिल पाता है। यही मामला भतौरा गांव में हुआ है जहां ग्राम प्रधान के द्वारा सीमेंट की कुर्सी के एवज में हजारों रुपए उतार लिए गए हैं। जिसके चलते कुछ ही महीनों में कुर्सी पूरी तरह से टूटकर क्षतिग्रस्त हो गई है पूरे गांव में लगभग एक दर्जन से ऊपर कुर्सियां लगाई गई है। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी भदौरा त्रिवेणी राम ने बताया कि मामले में एडीओ पंचायत को जांच के लिए निर्देशित किया जाएगा। जांच उपरांत आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अखिलेश यादव पहुंचे आजम खान के घर

उपचुनाव के बीच मुस्लिम बहुल सीटों में वोटबैंक पर फोकस

उजाला संचार

रामपुरः उपचुनाव के बीच उत्तर प्रदेश में राजनीतिक पारा भी लगातार बढ़ रहा है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव इस बीच आजम खान के परिवार से मिलने पहुंचेंगे। इस मुलाकात की सूचना से ही कई सारे सियासी कयास उठने लगे हैं। अखिलेश रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी में जाएंगे और इसके बाद आजम के घर जाकर उनकी पत्नी और बेटे संग मुलाकात करेंगे। कद्दावर नेता आजम खान के परिवार से अखिलेश की मुलाकात को लेकर सियासी गलियारों में चर्चा का बाजार गरम है। दरअसल अखिलेश मुरादाबाद की कुंदरकी सीट पर चुनावी रैली करेंगे और फिर वहां से रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी जाएंगे। इसके बाद अखिलेश जेल रोड स्थित आजम खान के घर जाकर परिवार से भी मिलेंगे। दरअसल, अखिलेश यादव अब आजम खान के जरिए मुस्लिम वोटबैंक पर फोकस रख रहे हैं। उपचुनाव में ९ सीटों पर मुस्लिम वोटर्स को सियासी संदेश देने के लिए भी

अखिलेश की मुलाकात अहम है। रामपुर जिले के आसपास के जिलों में आजम खान का सियासी असर है। मीरापुर, कुंदरकी और सीसामऊ विधानसभा सीट पर 50 फीसदी से ज्यादा मुस्लिम वोटर हैं। आजम खान या उनके परिवार के साथ अखिलेश यादव की आखिरी मुलाकात लोकसभा चुनाव के समय ही हुई थी। रामपुर सीट के टिकट को लेकर अखिलेश ने सीतापुर जेल में जाकर आजम से मुलाकात की थी। लेकिन उसके बाद से सपा को कई भी बड़ा नेता ना ही आजम से मिला है और ना ही उनके परिवार से। हालांकि इस बीच अखिलेश से पहले ही आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर ने आजम के बेटे अब्दुल्लाह से जेल में जाकर मुलाकात की। आजम खान के मामले को लेकर सांसद चंद्रशेखर आजाद ने सदन तक में आवाज उठाया।

विद्युत विभाग और विजलेंस टीम द्वारा चलाया गया सघन चेकिंग अभियान, लोगो में मचा हड़कंप

उजाला संचार

गहमर (गाजीपुर)। गहमर फीडर और भदौरा फीडर से सम्बद्ध गांवों में संयुक्त रूप से विजिलेंस टीम और विद्युत विभाग की टीम के द्वारा चेकिंग अभियान चलाया गया जिससे लोगो मे अफरातफरी मच गयी।

मंगलवार को गहमर और भदौरा फीडर से सम्बद्ध गांवों में बिजली विभाग और विजलेंस टीम द्वारा संयुक्तरूप से चेकिंग अभियान चलाया गया जिससे चारो ओर अफरातफरी मची गयी। इस अभियान के तहत बकाये विद्युत बिल पर 4 लोगो का कनेक्शन विच्छेदन किया गया और अवैध रूप से विद्युत का उपभोग करने पर 5 लोगो पर एंटी पावर थेफ़्ट थाना गाजीपुर मे मुकदमा पंजीकृत कराया गया। अधिकारियों ने

उपभोक्ताओं से अपील किया कि अपना बिल अविलम्ब जमा कर दें और वैध संयोजन कराकर ही विद्युत का उपभोग करें। अन्यथा पकड़े जाने पर कानूनी करवाई की जाएगी और इस तरह का अभियान अनवरत चलाया जाएगा।

इस अभियान में उपखण्ड अधिकारी दिलदारनगर कमलेश कुमार, विजिलेंस प्रभारी बृजेश कुमार यादव, अवर अभियंता रामप्रवेश चौहान, अवर अभियंता अजय कुमार पटेल, गुलाबचंद यादव, फैसल रब्बानी, शबनम रूबी, साहब कुमार यादव, बीरबल राजभर, लाइनमैन संतोष यादव, रमेश यादव, इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम की जयंती मनायी गयी

उजाला संचार

जलालाबाद, गाजीपुर। जलालाबाद में भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री ,भारत रत्न ,स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद जी के जयंती के अवसर पर जलालाबाद पंचायत भवन पर गोष्ठी का आयोजन किया गया । जो सौहार्द एवं बंधुता मंच के साथी कमाल अंसारी जी के नेतृत्व में हुआ।

कार्यक्रम में मौलाना आजाद के संघर्ष देश के लिए किए गए कार्यों पर चर्चा हुआ। साथ ही उपस्थित लोगों को यह बताने का प्रयास किया गया कि हमारे आसपास या कहीं दूर पे हुई घटना का हमारे ऊपर कितना प्रभाव पड़ता है। और उससे हमारी धारणा कैसी बनती है। जिसके लिए एक एक्टिविटी किया गया जिसमें सांप्रदायिक हिंसा का एक न्यूज का फोटो कॉपी करा कर सभी लोगों को बारी -बारी पाढवाया गया और उस न्यूज को पढ़कर उनके अंदर क्या भाव जागृत हो रहे हैं या क्या धारणाएं बन रही है। यह जानने का प्रयास किया गया। जिसमें अधिकतर लोगों ने कहा कि बंधुता के कमी के कारण यह हिंसा हो रही है तथा बहुत से लोगों ने कहा कि संवाद हीनता तथा एक दूसरे पर विश्वास की कमी के कारण इस तरह की घटनाएं हो रही है वहीं दूसरी एक्टिविटी के कड़ी में एक ऐसी न्यूज जो समाज को बंधुता का संदेश दे रही होती है जिसमें हिंदू लोग मुस्लिम त्योहार मोहर्रम को धूमधाम से मनाते हैं इस पर लोगों की प्रतिक्रिया लेने पर लोगों ने कहा कि इसमें लोगों के अंदर एक दूसरे के प्रति प्रेम है तथा परस्पर संवाद भी होता है उनके जवाब के बाद उनसे यह भी पूछा गया कि आप किस तरह का समाज चाहते हैं। सभी लोगों ने एक साथ मिलकर प्रेम भाईचारा बंधुत्व के साथ रहने के लिए बताया तब सौहार्द एवं बंधुत्व मंच के संचालक हिमांशु मौर्य द्वारा कहा गया कि ऐसा समाज बनाने के लिए हम लोगों को मिलकर इस मुहिम को आगे बढ़ना होगा तथा सौहार्द एवं बंधुत्व मंच से जुड़कर स्वयं के स्तर पर परिवार के स्तर पर तथा समुदाय के स्तर पर संवैधानिक मूल्यों को जानना मानना तथा जीना होगा।

ब्लाक प्रमुख हीरा सिंह यादव सरस्वती शिशु मंदिर के अर्धवार्षिक परीक्षा में छात्रों अव्वल आने पर छात्रों को किया सम्मानित

आज के समय मे भी भारतीय संस्कृति के प्रतिनिधित्व कर शिक्षा के साथ संस्कार केवल शिशु मंदिर में ही बच्चों को किया जाता हैं बाल विकास - ब्लाक प्रमुख हीरा सिंह यादव

उजाला संचार

सैदपुर। भैया बहनो को किया गया सम्मानित आज विद्यालय सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सैदपुर पक्का घाट के वन्दना सत्र में सैद?पुर ब्लाक के प्रमुख हीरा सिंह यादव एवं विद्यालय के अध्यक्ष डा० पी०एन० सिंह उपस्थित होकर बाल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अर्द्धवार्षिक परीक्षा में अव्वल आए विद्याथीयो को मेडल प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया इस दौरान मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख हीरा लाल यादव जी ने सभी बच्चो को अग्रिम परीक्षा हेतु उत्साहवर्धन के साथ शुभकामना एवं बधाई प्रेसित किया। इसी क्रम में विद्यालय के प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष डा० पी०एन० सिंह ने कहा कि बच्चो को एक लक्ष्य निर्धारित करके एवं लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर एकाग्रता के साथ अपने लक्ष्य की प्राप्ति करना चाहिये । कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के व्यवस्था प्रमुख गोपाल यादव के द्वारा किया गया इसी क्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेश कुमार लाल सभी का आभार यक्त करते हुए कार्यक्रम की समापन की घोषणा किया । इस अवसर पर ब्लाक प्रमुख हीरा सिंह यादव, डॉ0 पी०एन०सिहं, शुभम कुमार मोदनवाल, ओम प्रकाश मधुबाला , गुंजन ,साधना सोनी. गायत्री , रामदरश , शिवम , यशवर्धन ,कालेन्द्र आदि उपस्थित रहे।

यूपी के 5 बड़े बुलडोजर एक्शन: अकबरनगर में टूटे थे 1800 मकान, आजम की जौहर यूनिवर्सिटी का गेट भी हुआ ध्वस्त

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बुलडोजर एक्शन को लेकर योगी सरकार का रुख पिछले कुछ समय से चचाओं में है। पहले जहां भू-माफिया पर बुलडोजर की कार्रवाई होती थी, अब आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों के घर भी निशाने पर आ रहे हैं। इस कार्रवाई पर विपक्ष ने सवाल उठाए। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी बुधवार को कहा है कि सिर्फ आरोपी होने के आधार पर किसी का घर गिराया नहीं जा सकता। चेतावनी दी कि जिम्मेदार अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा।

लखनऊ के अकबरनगर में यूपी का सबसे बड़ा बुलडोजर एक्शनः अकबरनगर में उत्तर प्रदेश सरकार ने 1800 मकानों पर बुलडोजर चलाया, जो एशिया का सबसे बड़ा ध्वस्तीकरण अभियान माना गया। इसमें लगभग

35,000 लोग बेघर हुए, जिनमें से 1800 को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नए घर मिले। लोगों ने हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई राहत नहीं मिली। हालांकि, विरोध-प्रदर्शन और पुलिस लाठीचार्ज के बाद यह अभियान सिर्फ अकबरनगर तक सीमित रहा।

विधायक शहजिल इस्लाम का पेट्रोल पंप ध्वस्तः बरेली के भोजीपुरा से सपा विधायक शहजिल इस्लाम पर मुख्यमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी का आरोप लगा था। इसके बाद उनका पेट्रोल पंप बुलडोजर की कार्रवाई में ध्वस्त कर दिया गया। इस एक्शन पर सपा ने बदले की राजनीति का आरोप लगाया था। इसके अलावा, शहजिल के अन्य प्रतिष्ठानों की जांच भी जारी है।

वाराणसी में दो होटल जमींदोजः वाराणसी में वरुणा नदी के किनारे बने दो आलीशान होटलों पर भी बुलडोजर चलाया गया। प्रशासन के अनुसार, ग्रीन बेल्ट में बने इन होटलों को हटाने के लिए 5 बुलडोजर लगाए गए थे। कार्रवाई के दौरान होटल मालिकों और प्रशासन के बीच बहस भी हुई, जिसमें अउट सिटी आलोक कुमार का हेडशॉट विवाद में रहा।

प्रयागराज में हिंसा के मुख्य आरोपी जावेद के पंप और मकान पर चला बुलडोजरः प्रयागराज हिंसा के बाद मुख्य आरोपी जावेद अहमद का मकान बुलडोजर से गिरा दिया गया। जावेद की पत्नी परवीन फातिमा ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें दावा किया गया कि मकान उनके नाम पर था, फिर भी इसे अवैध तरीके से ध्वस्त किया गया। प्रशासन का कहना था कि मकान बिना नक्शे के बनाया गया था।

संक्षिप्त समाचार

बरेका में लगे जन चौपाल जेसीपी का आदेश ठेंगे पर

उजाला संचार, वाराणसी। बरेका में डॉ. के. एजिलेरासेन के नेतृत्व में क्षेत्रीय आम जनमानस की समस्याओं को जानने उनका फौरी निदान के लिए जनचौपाल का आयोजन किया गया. इस दौरान कुल तेईस आवेदन में दस से ग्यारह आवेदन पर सुनवाई हुई. इसमें सबसे जोरदार मुद्दा मंडौली में बह रहे सीवर का रहा, जिसको क्षेत्रीय महिलाओं ने उठाया उनका आरोप था कि यहां के पार्षद घासी पटेल कुछ करते नही है सिर्फ आम जनमानस को बेकूफ बनाने का काम कर रहे है। वहीं दूसरा मुद्दा मंडुवाडीह पार्षद राजेश कनौजिया ने चांदपुर और मुडैला में लग रहे बस स्टैंड और दारू की दुकान का मुद्दा उठाया। बस स्टैंड की बात करें वो अभी भी उसी तरह है। जिसका आश्वासन तीन घण्टे में हटाने का था। इस विषय पर पार्षद राजेश ने चौकी इंचार्ज राहुल सिंह से जब जानकारी मांगी तो पहले तो गोल मटोल जवाब देकर पल्ला झाड़ना चाहा। मगर पार्षद के जिद करने पर चौकी इंचार्ज ने कहा की सिर्फ बस पार्किंग रोक सकते अगर बस वाले रुक कर घंटो सवारी बैठाएंगे तो उसमें पुलिस कुछ नही कर सकती। उन्होंने इस मुद्दे पर आगे कहा की अगर ज्यादा परेशानी है तो आप टीआई का नम्बर लेकर बात करिए वही कारवाई करेंगे। चौकी इंचार्ज साहब के जवाब ऐसा लगता है जन चौपाल जैसा मेला लगाना पुलिस के लिए कोई मायने नही रखता सिर्फ खाली जनता को बेकूफ बनाने का जरिया मात्र है।

चार बच्चे हुए लापता पुलिस कर रही तलाश

उजाला संचार, वाराणसी। काशी स्टेशन से रहस्यमय परिस्थिति मे चार बच्चों कें गुम होने कि सूचना परिजनों ने पुलिस को दी बताया जाता है कि बुधवार को कुछ लोग सोनभद्र से पत्ता लेकर बेचने काशी स्टेशन आये जिसमे सिमा निवासी चोपन कें एक 10 वर्ष का पुत्र 8 वर्ष की पुत्री थी वह बलाराम राबड्र्सगंज का एक पुत्री 12 वर्ष दूसरा 5 वर्ष की पुत्री बतायी जा रही है रात्रि मे स्टेशन से खेलते समय गायब हो गये चूकि क्षेत्रीय लोगो का मानना है की कल काफी संख्या मे भिक्षुक आये थे कही उनके साथ ना चले गये हो यह बच्चे घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पंहुचे चौकी इंचार्ज आदमपुर मनीष कुमार बच्चों कें गायब होने की जानकारी प्राप्त उनकी तलाश मे जगह जगह खोजबीन किया जा रहा है वही सीसी फुटेज को भी खंगाला जा रहा है।

यूपी में जमीन अधिग्रहण घोटाले में चार राजस्व निरीक्षक समेत 10 कर्मचारी दोषी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिए सस्पेंड करने के आदेश

उजाला संचार, जौनपुर। हाईवे के लिए जमीन अधिग्रहण में किए गए घोटाले में चार राजस्व निरीक्षकों समेत 10 कर्मचारी दोषी मिले घोटाले में 4 करोड़ रुपये से ज्यादा का फर्जी भुगतान किया गया था जाली दस्तावेजों के सहारे 46 काश्तकार खड़े किए गए थे सीएम योगी आदित्यनाथ ने कड़ा रुख अपनाते हुए दोषी सभी 10 कर्मचारियों व अधिकारियों को निलंबित करने के आदेश दे दिए। नियुक्ति विभाग ने कार्रवाई के लिए संबंधित फाइल राजस्व विभाग को भेज दी। जौनपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-135 ए (मडियाहूं बाईपास), 56-731 बी के लिए चार तहसीलों बदलापुर, मडियाहूं, मछलीशहर और सदर के कुल 14 गांवों में जमीन अधिग्रहीत की गई थी। राजमार्ग कार्यालय की मदद से 46 काश्तकारों की फर्जी पत्रावलियां तैयार की गईं। भुगतान के लिए 4,54,42,759 रुपये का चेक जारी किया गया। 4,00,29,741 रुपये का भुगतान भी कर दिया गया। 54,13,018 का चेक जांच समिति ने रद्द कर दिया। राजस्व निरीक्षक संतोष तिवारी, उदयराज, शिवकुमार व बृजेश सिंह को फर्जी भुगतान में दोषी ठहराया गया।

बाल दिवस: बुद्धा इंटरनेशनल स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

बच्चों की प्रतिभा देख मंत्रमुग्ध हुए परिजन

उजाला संचार

मिर्जापुर। 14 नवंबर बाल दिवस के खास मौके पर महकुचवा स्थित लॉर्ड बुद्धा इंटरनेशनल स्कूल मे कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें संस्था प्रबंधक इंजीनियर के सी मौर्या ने कार्यक्रम का शुभारम्भ भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा पर मल्यार्पण कर किया, जिसमें बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

परिसर में बच्चों ने छोटी-छोटी दुकानें लगाकर लोगों को अपनी तरफ आकर्षित किया ` संस्था प्रबंधक इंजीनियर के सी मौर्य ने केक काटकर बच्चों के बीच खुशियां मनाई और बच्चो को बताया कि 14 नवंबर बाल दिवस मनाने का मुख्य कारण भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिवस हैं, चाचा नेहरू को बच्चों से बेहद लगाव था इसलिए उनके जन्मदिवस को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है`बाल दिवस के शुभ अवसर पर विद्यालय प्रांगण में बच्चों के बीच मा. पूर्व सांसद श्री राम शकल जी का आगमन हुआ जिसमें बच्चों को बाल दिवस के अवसर पर अपने बहुमूल्य सूझाव के साथ-साथ बच्चों का मार्गदर्शक किया जिसमें संस्था के अध्यक्ष श्री अमृतलाल मौर्य सहित स्कूल के छत्र छत्रों,अभिवावकगण,अध्यापक गण,नेहा आदित्य चौहान प्रत्युष अर्पित,ओम मौर्य आर्यन चौधरी विनीत सिंह आर्यन गोयल विनय सिंह प्रत्यूष त्रिपाठी शिप्रा अंजलि मौर्य,अंकित मालवीय नेहा मौर्य अजय यादव स्मिता अंसारी नीलम मौर्य मनीष साधना पारीख सुनीता चौहान अंशी यादव अंजू यादव मोनू यादव संतोष गिरी ममता संगीता साहित सैकडो लोग मौजुद रहे।

बनारस का सिगरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स आज से खुल रहा

उजाला संचार

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों लोकार्पित स्पोर्ट्स कंपलेक्स यानी डॉ. संपूणानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम आज से खुलने जा रहा है. लगभग एक महीने पहले इसका उद्घाटन किया गया था. सबसे पहले इंडोर स्विमिंग पूल को खोला जाएगा. आज दोपहर बाद करीब 3 बजे खिलाड़ियों की मौजूदगी में पूजा पाठ के साथ इसकी शुरूआत हो जाएगी. इसके बाद अन्य स्पोर्ट्स व सेक्शन ओपन किए जाएंगे।

स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के लोकार्पण के बाद पहली बार वाराणसी में इस स्टेडियम में प्रशिक्षण शुरू होने जा रहा है. लगभग चार साल से यहां प्रशिक्षण बंद था. जिसकी वजह से खिलाड़ी भी परेशान थे. इस संदर्भ में ईटीवी भारत ने प्रधानमंत्री मोदी के उद्घाटन के बाद भी स्टेडियम ना शुरू किए जाने को लेकर खिलाड़ियों के दर्द को अपनी खबर के जरिए बयां किया था. लेकिन, अब खिलाड़ियों के साथ ही आम पब्लिक को भी इसका लाभ जल्द मिलेगा। एक दिसंबर से स्टेडियम आम पब्लिक के लिए भी खुल जाएगा लेकिन, कुछ शर्तों के साथ. इस बारे में वाराणसी के क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी विमला सिंह का कहना है कि स्टेडियम में पहले से पंजीकृत खिलाड़ियों के लिए प्रवेश प्रक्रिया को शुरू की जाएगी. इसमें सबसे पहले स्विमिंग पूल को खोला जा रहा है, क्योंकि तैराकी के जो हमारे वर्तमान लगभग 20 से ज्यादा खिलाड़ी थे वह इधर-उधर प्रैक्टिस कर रहे थे. कुल मिलाकर 45 खिलाड़ियों का रजिस्ट्रेशन पहले से हैं, उनको ही यहां पर प्रवेश दिया जाएगा. इन सभी खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने के लिए हमारे पास पहले से ही कोच मौजूद हैं. इस बार नया पंजीकरण नहीं होगा. मार्च के बाद नए सत्र में नए पंजीकरण की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा. अभी जो पुराने खिलाड़ी हैं, उनको ही एंट्री दी जाएगी।

जिला अस्पताल में स्टाफ नर्स संग कर्मचारियों ने लगाया ठुमका

प्रमोशन की पार्टी का वीडियो वायरल

उजाला संचार

वाराणसी। दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल में स्टाफ नर्सों के साथ कर्मचारियों ने खूब ठुमके लगाए। इसका एक-दो नहीं बल्कि चार वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें ड्यूटी के समय का ड्रेस पहने स्टाफ नर्स और अपने गले में जिला अस्पताल का पहचान पत्र लटकाए कर्मचारी हिंदी गीतों के साथ ही भोजपुरी गीतों पर खूब ठुमके लगाते नजर आ रहे हैं। स्टाफ नर्स के प्रमोशन की इस पार्टी में सीएमएस से लेकर अन्य अधिकारी, चिकित्सक भी मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि जिला अस्पताल में चार स्टाफ नर्स का प्रमोशन दीपावली से कुछ दिन पहले ही हुआ था।

इसकी खुशी में अस्पताल में दीपावली से ठीक पहले प्रमोशन की पार्टी रखी गई। अस्पताल के सेमिनार हाल में हुई पार्टी का जो वीडियो वायरल हो रहा है, उसमें एक वीडियो में सेमिनार हाल में अस्पताल के सीएमएस डॉ. दिग्विजय सिंह, एमएस डा. प्रेमप्रकाश सहित अन्य डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ बैठे हैं। इस वीडियो में गाना गाया जा रहा है लेकिन इसके बाद जो हुआ, उसका वीडियो देख हर कोई हैरान है। चार वीडियो में हिंदी, भोजपुरी गीतों पर स्टाफ नर्सों के साथ कुछ वरिष्ठ कर्मचारी इस तरह ठुमके लगा रहे हैं, जैसे कि वह अस्पताल नहीं बल्कि किसी शादी समारोह या बाहर कहीं मैरेज हाल या अन्य जगह पर हो। वायरल वीडियो की जानकारी अस्पताल प्रशासन को हुई तो अधिकारी हैरान हैं।

वायरल वीडियो पर कार्रवाई के बारे में जब अस्पताल के सीएमएस डॉ. दिग्विजय सिंह से बात करने का प्रयास किया गया तो उनका फोन तो नहीं उठा लेकिन अस्पताल के एमएस डॉ. प्रेमप्रकाश का कहना है कि उनको भी बुधवार को दिन में वीडियो व्हाटसएप पर कई जगहों से मिली है। बताया कि चार स्टाफ नर्सों की प्रमोशन की पार्टी थी, इसमें ठुमके लगाते हुए कर्मचारी दिख रहे हैं।

फाइलेरिया की रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग एलर्ट, कराया गया नाइट ब्लड सर्वे

जनपद में 4 नवम्बर से 12 नवम्बर तक कराया गया नाईट ब्लड सर्वे

उजाला संचार

वाराणसी। फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जनपद में लोगों को फाइलेरिया से बचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा नाईट ब्लड सर्वे का कार्य 4 नवम्बर से 12 नवम्बर तक कराया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दवा खिलाने के बाद क्षेत्र में माइक्रो फाइलेरिया के प्रसार की क्षमता का आंकलन किया जाता है इस क्रम जनपद में विगत तीन वर्ष में तीन सफल एमडीए/आइडीए के उपरांत टास-1 (ट्रांसमिशन एमाउंट सर्वे) का कार्य पूरा हो चुका है फाइलेरिया रोग से ग्रसित मरीजों की खोज के लिए रात के समय में रक्त के नमूने एकत्र किए जाते हैं। जांच में पाजिटिव पाये जाने पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा मरीजों का इलाज निःशुल्क किया जाता है। इसकी जानकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संदीप चौधरी ने दी।

उन्होंने ने बताया कि यह रोग क्यूलेक्स मच्छर के काटने से होता है। रात के समय फाइलेरिया के कृमि अधिक सक्रिय होते हैं, इसलिए रात के समय में ही सैंपल लिया जाता है। हर साल एक बार राष्ट्रीय स्तर पर मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम के तहत फाइलेरिया के रोगियों को खोजा जाता है। लेकिन दवा खाकर इस रोग को हराया जा सकता है।

जिला मलेरिया अधिकारी शरत चंद पाण्डेय ने बताया कि 33 प्लानिंग यूनिट में दो प्लानिंग यूनिट शहरी क्षेत्र जैतपुरा तथा ग्रामीण सीएचसी चोलापुर में पैरासाइट का लोड एक फीसदी से ज्यादा है, जिसके कारण वहां पुनः आइडीए का कार्यक्रम चलाया गयो इसकी गंभीरता को देखते हुये उक्त दोनों स्थानों में नाईट ब्लड सर्वे का कार्य 4 नवम्बर से 12 नवम्बर तक कराया गयो जनपद में 997 फाइलेरिया के मरीज पंजीकृत हैं।

फाइलेरिया इकाई प्रभारी/ बायोलॉजिस्ट डॉ अमित कुमार सिंह ने बताया कि नाइट ब्लड सर्वे एवं जांच में माइक्रोफाइलेरिया रेट 1 फीसदी से कम होने पर उक्त स्थानों पर कोई नये रोगी मिलने/प्रसार की संभावना नहीं रहती है, यह फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का अच्छा परिणाम है इस कार्यक्रम के क्रम जनपद में दो स्थानों शहरी क्षेत्र जैतपुरा में सेंटीनल साइट ईश्वरगंगी पोखरा तथा रैंडम साइट लोहटिया एवं ग्रामीण क्षेत्र चोलापुर में रैंडम साइट मुनारी एवं सेंटीनल साइट जगदीशपुर में नाइट ब्लड सर्वे कराया गयो जिसमें चोलापुर के अंतर्गत जगदीशपुर में 302, मुनारी में 306 रक्त पट्टिका तथा जैतपुरा के अंतर्गत ईश्वरगंगी में 301 तथा लोहटिया में 302 में रक्त पट्टिका संग्रह कार्य किया जा चुका है। जाँच के उपरांत अगर 1 फीसदी से ज्यादा माइक्रो फाइलेरिया रेट आने पर उक्त क्षेत्र में आइडीए अभियान फिर से चलाया जायेगा जिसमें उस क्षेत्र के सभी लोंगो को फाइलेरिया से बचाव की दवा खिलायी जायेगी।

बनारस में बेटी के घर पिता की लाठी-डंडे से पीटकर हत्या

दामाद का कुछ युवकों से शराब की दुकान पर हुआ था विवाद

उजाला संचार

वाराणसी। काशीनगरी वाराणसी में बेटी के घर आए पिता की कुछ लोगों ने सोते समय लाठी-डंडे से पीट-पीट कर हत्या कर दी. जिससे नाराज ग्रामीणों ने हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बड़ागांव थाने के सामने विरोध प्रदर्शन किया. आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का पुलिस से आश्वासन मिलने के बाद मामला शांत हुआ. पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

बड़ागांव थानाक्षेत्र के भरतपुर गांव निवासी अधेड़ जगन्नाथ जौनपुर जनपद के मछली शहर में सिंचाई विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थे. तीन दिन पूर्व वह अपनी बेटी की ससुराल चिमटहिया साधोगंज गए थे और वहीं रह रहे थे. घटना के समय वह घर के बाहर बरामदे में बिस्तर पर मुंह ढककर सो रहे थे. उसी समय आधा दर्जन लोग आए और सोते समय ही उन्हें लाठी-डंडे से पीट पीटकर मार डाला. इस बीच उनका दामाद विनोद घर पहुंचा तो हमलावर वहां से भाग निकले।

विनोद का कहना है कि सोमवार की रात 9 बजे साधोगंज बाजार स्थित एक बीयर की दुकान पर रिंकू और उनके साथियों से वाद विवाद हुआ था. जहां लोगों द्वारा बीच-बचाव करने पर विनोद वहां से लखापुर गांव में दावत खाने चला गया और विपक्षी अपने गांव की तरफ चले गए. थोड़ी देर बाद मनबढ़ विपक्षियों ने इस घटना को अंजाम दे दिया।

वहीं घटना से आक्रोशित परिजन और गांव वालों ने हत्यारों की गिरफ्तारी को लेकर बड़ागांव थाने के सामने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया. जिस पर एडीसीपी आकाश पटेल, एसीपी पिंडरा प्रतीक कुमार थानाध्यक्ष बड़ागांव ने अतिशीघ्र गिरफ्तारी का आश्वासन देकर एक घंटे बाद आवागमन शुरू करवाया. बड़ागांव थाना प्रभारी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, आरोपियों की जल्द ही गिरफ्तारी होगी।

बनारस का पहला हाईटेक घाट; 90 करोड़ की लागत से तैयार घाट जल, थल, नभ से होगा कनेक्ट, हैलीपैड की भी सुविधा

उजाला संचार

वाराणसी। धर्म की नगरी वाराणसी में 15 नवंबर को देव दीपावली का पर्व मनाया जाएगा. पौराणिक मान्यताओं से जुड़ी कथाओं के मुताबिक, इस दिन देवता काशी में स्वयं गंगा तट पर दीपदान करने के लिए पहुंचते हैं. यही वजह है कि अब इस आयोजन को भव्य और दिव्य रूप देने के लिए खुद सरकार लगातार काम कर रही है. अयोध्या में लाखों की संख्या में दीपक जलाए जाने के बाद अब इस बार वाराणसी में देव दीपावली के मौके पर प्रशासन पूजा समितियां और अलग-अलग घाटों की आरती समितियां मिलकर 25 लाख दिए जलाने का लक्ष्य रखकर चल रही हैं. इसमें सिर्फ गंगा घाट ही नहीं बल्कि वाराणसी के कुंड सरोवरों को भी जोड़ा जा रहा है।

15 नवंबर को तीसरे फेज का उद्घाटन : सबसे बड़ी बात यह है कि बनारस के पौराणिक घाटों की श्रृंखला में इस दिन एक और महत्वपूर्ण और स्मार्ट घाट जुड़ने जा रहा है, जो नमो घाट का तीसरा हिस्सा है. पहले अलग-अलग दो हिस्सों को जनता को समर्पित किया जा चुका है और अब 15 नवंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों नमो घाट के तीसरे फेज का उद्घाटन करके यह एडवांस और बनारस का पहला हाईटेक घाट जनता को समर्पित किया जाएगा. सबसे बड़ी बात यह है कि इकलौता ऐसा घाट होगा जो जल, थल, नभ तीनों से कनेक्ट होगा।

90 करोड़ रुपए की लागत से किया गया तैयार : स्मार्ट सिटी के जनसंपर्क अधिकारी शाकंभरीनंदन सोंथालिया के मुताबिक, वाराणसी में 90 करोड़ रुपए की लागत से नमो घाट के पहले दूसरे और तीसरे हिस्से का काम हुआ है. दूसरे हिस्से का काम होने के बाद तीसरे हिस्से का काम अभी चल रहा था. जिसमें दो हेलीपैड, मालवीय ब्रिज के बगल में बनने वाले नए रेलवे ब्रिज से रेल कनेक्टिविटी और सड़क मार्ग की कनेक्टिविटी के साथ ही जल मार्ग को भी इस पूरे घाट से कनेक्ट किया गया है. सबसे बड़ी बात यह है कि यह ऐसा पहला घाट है जो दिव्यांगजनों और वृद्धजनों के लिए बिल्कुल फ्रेंडली माहौल के साथ बनाया गया है. इस पूरे घाट पर मौजूद रैंप के जरिए वृद्ध और दिव्यांगजन आराम से एक घाट से दूसरे घाट तक जा सकेंगे।

अब बनारस के खिड़कियां घाट का अस्तित्व हुआ खत्म, नगर निगम में नमो घाट का नाम दर्ज हुआ

उजाला संचार

वाराणसी। देव दीपावली से पहले वाराणसी में एक पुराने घाट के अस्तित्व को खत्म कर नए घाट का नाम दर्ज कर दिया गया. वाराणसी के अंतिम घाट के रूप में पहुंचने जाने वाले खिड़कियां घाट का नाम अब बदलकर वाराणसी नगर निगम के दस्तावेज में नमो घाट हो चुका है. बुधवार को कार्यकारिणी समिति की बैठक में उपसभापति के प्रस्ताव पर सभी ने सहमति जताते हुए नगर निगम की धारा का प्रयोग करते हुए नमो घाट को नए नाम के साथ निगम के दस्तावेज में दर्ज करने पर सहमति जाता दी है।

नगर निगम परिसर में बुधवार को महापौर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में कार्यकारिणी समिति की बैठक हुई. जिसमें नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 91 (1) के अन्तर्गत अनुज्ञप्ति विभाग के उपविधि का प्रस्ताव रखा गया. कार्यकारिणी समिति के द्वारा इस शर्त के साथ पारित किया गया कि भविष्य में किसी भी प्रकार का परिवर्तन करने का अधिकार कार्यकारिणी व सदन में होगा. समिति की बैठक में उपसभापति नरसिंह दास ने प्रस्ताव प्रस्तुत किया. उपसभापति के द्वारा आदिकेशवघाट एवं राजघाट, भैंसासुर घाट के बीच बने नये घाट का नामकरण नमो घाट करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया. इसे महापौर एवं सभी कार्यकारिणी समिति के सदस्यों ने इस प्रस्ताव पर स्वीकृति देते हुए आगे की कार्रवाई के लिए नगर आयुक्त को भेजा गया।

वहीं पिछले दिनों शासन द्वारा वाहन स्टैंड्स का किराया बढ़ाये जाने एवं नई नियमावली जारी की गयी थी।

कार्तिक पूर्णिमा पर निम्नलिखित गाड़ियों का होगा विभिन्न स्टेशनों पर ठहराव

उजाला संचार

वाराणसी। पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर में लगने वाले कार्तिक पूर्णिमा मेला के अवसर पर यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा 14 व 15 नवम्बर, 2024 को निम्न लिखित गाड़ियों का अतिरिक्त अस्थाई ठहराव विभिन्न स्टेशनों पर 01 मिनट के लिये प्रदान किया गया है।

मुजफ्फरपुर-सोनपुर रेल खंड-

- 14005 सीतामढ़ी-आनन्द विहार टर्मिनस एक्सप्रेस का ठहराव 15 नवम्बर, 2024 को रामदयालुनगर, तुर्की, कुढ़नी, सराय एवं घोसवर स्टेषनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा।

- 15097 भागलपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस का ठहराव 15 नवम्बर, 2024 को रामदयालुनगर, तुर्की, कुढ़नी, गोरौल, भगवानपुर, सराय एवं घोसवर स्टेषनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा।

- 15027 सम्बलपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस का ठहराव 15 नवम्बर, 2024 को रामदयालुनगर, तुर्की, कुढ़नी, सराय एवं घोसवर स्टेषनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा।

- 11124 बरौनी-ग्वालियर एक्सप्रेस का ठहराव 14 नवम्बर, 2024 को रामदयालुनगर, तुर्की, कुढ़नी, गोरौल, सराय एवं घोसवर स्टेषनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा।

- 15203 बरौनी-लखनऊ एक्सप्रेस का ठहराव 14 नवम्बर, 2024 को रामदयालुनगर, तुर्की, कुढ़नी, गोरौल, भगवानपुर, सराय एवं घोसवर स्टेषनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा।

सोनपुर-मुजफ्फरपुर रेल खंड-

- 11123 ग्वालियर-बरौनी एक्सप्रेस का ठहराव 15 नवम्बर, 2024 को घोसवर, सराय गोरौल, कुढ़नी, तुर्की एवं रामदयालुनगर स्टेषनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा।

- 02564 नई दिल्ली-बरौनी विशेष गाड़ी का ठहराव 15 नवम्बर, 2024 को सोनपुर, हाजीपुर, घोसवर, सराय, भगवानपुर, गोरौल, कुढ़नी, तुर्की एवं रामदयालुनगर स्टेषनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा।

- 15028 गोरखपुर-सम्बलपुर एक्सप्रेस का ठहराव 15 नवम्बर, 2024 को घोसवर, सराय, कुढ़नी, तुर्की एवं रामदयालुनगर स्टेशनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा।

- 15708 अमृतसर-कटिहार एक्सप्रेस का ठहराव 15 नवम्बर, 2024 को घोसवर, सराय, भगवानपुर, गोरौल, कुढ़नी, तुर्की एवं रामदयालुनगर स्टेशनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा।

- 19165 अहमदाबाद-दरभंगा एक्सप्रेस का ठहराव 15 नवम्बर, 2024 को घोसवर, सराय, भगवानपुर, गोरौल, कुढ़नी, तुर्की व रामदयालुनगर स्टेषनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा।

- 14006 आनन्द विहार टर्मिनस-सीतामढ़ी एक्सप्रेस का ठहराव 15 नवम्बर, 2024 को घोसवर, सराय, कुढ़नी, तुर्की एवं रामदयालुनगर स्टेशनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा।

- 13020 काठगोदाम-हावड़ा एक्सप्रेस का ठहराव 15 नवम्बर, 2024 को घोसवर, सराय, कुढ़नी, तुर्की एवं रामदयालुनगर स्टेशनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा।

सोनपुर-छपरा रेल खंड-

- 14017 रक्सौल-आनन्द विहार टर्मिनस एक्सप्रेस का ठहराव 15 नवम्बर, 2024 को सोनपुर, परमानन्दपुर, नयागांव, शीतलपुर, अवतारनगर, बड़ा गोपाल एवं गोल्डेनगंज स्टेशनों पर ठहराव प्रदान किया जायेगा।

सामयिकः हाथी हमारा अब नहीं साथी

पंकज चतुर्वेदी

जानना जरूरी है कि हाथियों को 100 लीटर पानी और 200 किलो पत्ते, पेड़ की छाल आदि की खुराक जुटाने के लिए हर रोज 18 घंटों तक भटकना पड़ता है। हाथी दिखने में भले ही भारी-भरकम हैं, लेकिन उनका मिजाज नाजुक और संवेदनशील होता है। थोड़ी थकान या भूख उसे तोड़ कर रख देती है। ऐसे में थके जानवर के प्राकृतिक घर यानी जंगल को जब नुकसान पहुंचाया जाता है तो मनुष्य से उसकी भिडंत होती है।

दीपावाली के ठीक एक दिन पहले मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ में एक साथ दस हाथियों के मारे जाने से दुनिया सन्न है। इनमें नौ मादा थीं और दो गर्भवती। और इस तरह दो हाथियों की मौत भ्रूण में भी हो गई। इसके ठीक तीन दिन पहले पास के छत्तीसगढ़ में रायगढ़ जिले में तीन हाथी मारे गए तो कहा गया कि उन पर 11 केवीए की बिजली का तार गिर गया था। रविवार रात छत्तीसगढ़रूमें हाथियों के दल से 1 हाथी के बिछड़ने की जानकारी मिली और सोमवार सुबह जंगल के किनारे स्थित धान के खेत में हाथी का शव मिला। हाथी का शव मिलने के बाद वन विभाग ने जांच शुरू की तो खुलासा हुआ कि खेत के चारों तरफ बिजली का तार लगाया गया था।

खेत मालिक ने हाथी को मारने के लिए हाईवोल्टेज बिजली तार में क्लच वायर से जोड़ कर करंट लगाया था जिसकी चपेट में आने से नर हाथी की मौत हो गई। इस खुलासे के बाद वन विभाग ने आरोपी मुरका निवासी रामबक्स को गिरफ्तार कर लिया। इसी राज्य में 12 नवम्बर को बेहद मार्मिक घटना सामने आई जब रायपुर में सीतानदी-उदंती टाइगर रिजर्व में हाथी का एक बच्चा पोटाश बम से घायल हो गया। उसके मुंह और पैर से खून बह रहा था और वह जलन से बचने को इधर-उधर पानी में शरीर डाल रहा था। यह बम जंगली सूअरों के शिकार के लिए उपयोग किया जाता है। दुर्भाग्य है कि बांधवगढ़ में इतनी बड़ी संख्या में हाथी की मौत के बाद भी प्रशासन सतर्क नहीं हुआ और गुस्साए हाथियों ने वहीं गांव के तीन लोग कुचल कर मार ड़ाले। बीते कुछ सालों में हाथी के पैरों तले कुचल कर मरने वालों की संख्या बढ़ी है। ओड़िशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, असम , केरल, कर्नाटक सहित 16 राज्यों में बिगडैल हाथियों के कारण इंसान से टकराव बढ़ रहा है। इस झगड़े में हाथी भी मारे जाते हैं। यह बात तो स्पष्ट हो गई है कि बांधवगढ़ में बड़ी संख्या में हाथियों की मौत कुछ विषाक्त खाने से हुई है। शक इस बात से खड़ा होता है कि राज्य सरकार के कुछ अफसर इसे तुरत-फुरत जहरीली कुटकी खाने से मौत निरूपित कर रहे थे लेकिन जब मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस बात से असहमति जताई कि जंगल का

जानवर क्या किसी वन-उत्पाद खाने से मरेगा तो हड़बड़ाहट हुई। वन महकमे के अफसर सस्पेंड हुए।

भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई), बरेली की ओर से मप्र वन विभाग को सौंपी गई रिपोर्ट में हाथियों के विसरा में माइक्रो टॉक्सिन साइक्लोपियाजोनिक एसिड मिलने की पुष्टि हुई है। एपीसीसीएफ और मप्र वन विभाग की ओर से गठित एसआईटी के प्रमुख एल कृष्णमूर्ति के मुताबिक, आईवीआरआई ने विसरा सैंपल की विषाक्तता रिपोर्ट से पता चलता है कि हाथियों ने बड़ी मात्रा में खराब कोदो पौधे/अनाज खाए थे। हालांकि, विसरा सैंपल में मिला साइक्लोपियाजोनिक एसिड कितना जहरीला था और कितनी मात्रा में था, क्या यही मौत का कारण हो सकता है- इसकी आगे जांच अभी जारी है।

दुर्भाग्यपूर्ण है कि मध्य प्रदेश में जंगल और वनोपज आय के बड़े माध्यम हैं, लेकिन बाघ के लिए जम कर खर्च करने वाली सरकार हाथी के लिए लापरवाह रही है। प्रदेश में हाथियों के प्रबंधन के लिए सिर्फ एक करोड़ सालाना का बजट वन विभाग के पास है। प्रोजेक्ट टाइगर पर प्रदेश का बजट 200 से 300 करोड़ के बीच रहता है, लेकिन हाथियों के प्रबंधन पर प्रोजेक्ट एलिफेंट के लिए वन विभाग ने इस साल 66 लाख रुपये रखे। प्रोजेक्ट एलिफेंट की शुरू आत 1992 में भारत सरकार के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा शुरू की गई थी जो अभी देश के 16 राज्यों में चल रहा है। हाथियों की संख्या में बढ़ोतरी और इनके शिकार को रोकने के लिए शुरू की गई योजना में प्राकृतिक आवासों को सुधारना, हाथी-मानव संघर्ष को नियंत्रित करना सहित कई काम किए जाते हैं लेकिन वन विभाग के पास बजट होता नहीं है।

वन पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता को सहेज कर रखने में गजराज की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। पर्यावरण-मित्र पर्यटन और प्राकृतिक आपदाओं के बारे में पूवार्नुमान में भी हाथी बेजोड़ हैं। जंगली हाथियों के बस्तियों में घुसने को किसी राज्य की सीमा से बांधा जा नहीं सकता। आंकड़ों पर गौर करें तो स्पष्ट होता है कि करीबी राज्य ओडिशा के हालात हाथियों को लेकर इतने खराब हैं कि दंतैल और गुस्सैल हो गए जंगली हाथी छत्तीसगढ़ और झारखंड में अपनी खीज मिटा रहे हैं। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस, बैंगलुरु के एक अध्ययन में बताया गया था कि ओडिशा में उपलब्ध जंगल और संसाधन में अधिकतम 1700 हाथी भली प्रकार जी सकते हैं, जबकि आज यहां गजराज की संख्या 2100 से अधिक है। इस तरह 400 से अधिक हाथियों के लिए भोजन, पानी और आने पयार्वासीय संकट सामने दिख रहा है। सरकारी रिकार्ड में है कि 2017-18 और 4 नवम्बर, 2024-25, ओडिशा में 634 मारे गए, जिनमें 22 का शिकार हुआ, एक को जहर दिया गया 91 जानबूझकर बिजली के झटके से, 32 आकस्मिक बिजली करंट से मारे गए, जबकि 28 हाथी रेल से टकरा कर काल के गाल में गए। इसी साल 58 हाथियों की संदिग्ध मौत हुई, जिसकी जांच के लिए सरकार ने आदेश दिए हैं।

जानना जरूरी है कि हाथियों को 100 लीटर पानी और 200 किलो पत्ते, पेड़ की छाल आदि की खुराक जुटाने के लिए हर रोज 18 घंटों तक भटकना पड़ता है। हाथी दिखने में भले ही भारी-भरकम हैं, लेकिन उनका मिजाज नाजुक और संवेदनशील होता है। थोड़ी थकान या भूख उसे तोड़ कर रख देती है। ऐसे में थके जानवर के प्राकृतिक घर यानी जंगल को जब नुकसान पहुंचाया जाता है तो मनुष्य से उसकी भिडंत होती है। 2018 में पेरियार टाइगर कन्जर्वेशन फाउंडेशन ने केरल में हाथियों के हिंसक होने पर एक अध्ययन किया था। अध्ययन रिपोर्ट में पता चला कि जंगल में पारंपरिक पेड़ों को काट कर उनकी जगह नीलगिरी और बबूल बोने से हाथियों का भोजन समाप्त हुआ और यही उनके गुस्से का कारण बना। पेड़ों की ये किस्म जमीन का पानी भी सोखती हैं, सो हाथी के लिए पानी की कमी भी हुई। पयार्वरण-मित्र पर्यटन और और प्राकृतिक आपदाओं के बारे में पूवार्नुमान में भी हाथी बेजोड़ हैं। हाथी की उपस्थति स्वस्थ जंगल की निशानी है, अच्छा जंगल धरती पर इंसान के लिए अनिवार्य है। अब सरकार और समाज, दोनों को हाथी की समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनना होगा ।

(लेख में विचार निजी हैं)

संपादकीय

प्राथमिकताएं बदलिए

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के तीन महीने बाद भी राजनीतिक अस्थिरता और अराजकता का दौर जारी है। अमेरिका के जो बाइडन प्रशासन के समर्थन से सत्ता की बागड़ोर संभालने वाले मोहम्मद यूनुस प्रभावशाली ढ़ंग से चुनौतियों का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस राजनीति में लोकतांत्रिक और मानवतावादी मूल्यों की स्थापना नहीं कर पा रहे हैं। अंतरिम सरकार का

नेतृत्व कर रहे यूनुस प्रतिशोध की राजनीति में लिप्त हैं। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने उनके कारनामों की जांच करने के बाद उन्हें हाशिये पर कर दिया था। अब यूनुस को शेख हसीना से प्रतिशोध लेने का अवसर मिला है। उनकी अंतरिम सरकार अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना और प्रशासन के अन्य लोगों को भारत से वापस लाने के लिए इंटरपोल से मदद मांगने की तैयारी में है। सरकार का विश्वास है कि विरोध प्रदर्शनों के दौरान करीब 753 लोग मारे गए। इस घटना को यूनुस ने मानवता के विरुद्ध अपराध करार दिया है और हसीना और उनकी पार्टी के नेताओं के विरुद्ध 60 से ज्यादा शिकायतें दर्ज कराई गई हैं दूसरी ओर, हसीना के देश छोड़ने के तीन महीने बाद उनकी पार्टी अवामी लीग एकजुट होने के प्रयास कर रही है। इसी क्रम में अवामी लीग ने रविवार को ढ़ाका के नूर हुसैन स्कवायर पर विरोध मार्च निकालने का आह्वान किया था। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और जमात-ए-इस्लामी के कार्यकताओं ने सरकार और पुलिस प्रशासन की शह पर अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों की पिटाई की। लोकतंत्र में जितना महत्त्वपूर्ण सत्ता पक्ष होता है, उतना ही विपक्ष भी होता है। अगर देश में लोकतंत्र स्थापित करना है तो यूनुस की सरकार को अपनी प्राथमिकताएं बदलनी होंगी। अल्पसंख्यक समुदाय विशेषकर हिन्दुओं पर होने वाले अत्याचार से विश्व समुदाय चिंतित है। अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप ने मतदान से पहले दीवाली के अवसर पर कहा था कि 'मैं हिन्दुओं, ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ बर्बर हिंसा की निंदा करता हूं, जिन पर बांग्लादेश में भीड़.द्वारा हमला किया जा रहा है और लूटपाट की जा रही है।' जाहिर है कि दुनिया के एक बड़े.नेता की इस टिप्पणी से बांग्लादेश और यूनुस की छवि कलंकित हुई है। बांग्लादेश में शांति और राजनीतिक स्थिरता आवश्यक है। राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से न तो लोकतंत्र स्थापित होगा और न देश बचेगा।

चिंतन-मनन

सफलता का मार्ग

संग्रह की वृत्ति बहिमरुखता का लक्षण है। साधक क्षणजीवी होता है। अतीत की स्मृति और भविष्य की चिंता वह करता है जो आत्मस्थ नहीं होता। वर्तमान में जीना आत्मस्थता का प्रतीक है। एक साधक कल की जरूरत को ध्यान में रखकर संग्रह नहीं करता, पर एक व्यवसायी सात पीढ़ियों के लिए पूरी व्यवस्था जुटाने में संलग्न रहता है। यह बात सही है कि साधक अशरीरी नहीं होता, शरीर की अपेक्षाओं को वह गौण नहीं कर सकता; पर दैहिक अपेक्षाओं को लेकर वह मूढ़ नहीं हो सकता। उसका विवेक जागृत रहता है। वह अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखता है और आकांक्षाओं पर नियंत्रण रखता है।

कभी-कभी साधक के जीवन में भी स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति जाग सकती है। प्रश्न उठता है कि इन वृत्तियों का उत्स क्या है? कौन-सी अभिप्रेरणा इन्हें उभरने का अवसर देती है? मेरे अभिमत से इन तीन संस्कारों का उद्भव तीन आकारों से होता है। वे तीन आकार हैं- अहं, अश्रम और असंतोष। स्वच्छंदता की मनोवृत्ति वहीं सक्रिय होती है, जहां अहंकार का नाग फन उठाए रखता है। अहंवादी व्यक्ति स्वयं को सब कुछ समझता है। उसे अपने सामने अन्य सभी लोग बौने दिखाई देते हैं। ऐसी स्थिति में वह न तो किसी से मार्गदर्शन ले सकता है और न किसी के नियंत्रण में रह सकता है।

सुविधावाद का भाव वहां विकसित होता है जहां व्यक्ति श्रम से जी चुराता है, अपनी क्षमता का उपयोग नहीं करता और पुरुषार्थ में विश्वास नहीं करता। अश्रम का बीज ही आगे जाकर सुविधावाद के रूप में पल्लवित होता है। इस दृष्टि से साधना के साथ श्रमशीलता की युति आवश्यक है। संग्रह वृत्ति का बीज है असंतोष। जिस व्यक्ति को पदार्थ में संतोष नहीं होता, वह संग्रह करने की बात सोचता है। जिस समय जैसा पदार्थ उपलब्ध होगा, उसी से आवश्यकता की पूर्ति हो जाएगी- यह विधायक चिंतन असंतोष की जड़ को काट सकता है और संग्रह की मनोवृत्ति को बदल सकता है। साधना की सफलता स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति में नहीं है।

बाल दिवस पर विशेष : बालश्रम की भट्ठी में झुलसता देश का भविष्य..?

राकेश अचल

बेशक देश आजाद हो चुका है मगर देश का आधार माने जाने वाले बच्चे आज भी बाल मजदूरी की जजीरों से आजाद नहीं हो पाए हैं,बाल मजदूरों का शोषण किया जा रहा है। बालश्रम की भट्ठी में बचपन झुलस रहा है मगर जनता के मसीहा बेखबर हैं।14 नंवम्बर 2024 को बाल दिवस मनाया जा रहा है।मगर ऐसे आयोजन औपचारिकता भर रह गये है। जिन बच्चों के हाथों में किताब, कापी, पैसिल होनी चाहिए वे हाथ जोखिम उठा रहे हैं मजदूरी कर रहे हैं गैंती-बेलचा चला रहे हैं नन्हे हाथों में छाले आ जाते हैं जब यह मजदूरी करते हैं ।भारतीय संविधान की अनुच्छेद 24 के अर्न्तगत बालश्रम अवैध घोषित है। मगर कानून फाईलों की शोभा बढा रहे हैं। समझ नहीं आता कि जिनके अभी खेलने कूदने के दिन हैं वे ऐसे काम करते हैं कि रुह कांप उठती हैं। बालश्रम की समस्या हमारे देश में नई नहीं हैं।यह समस्या बेहद गंभीर स्थिति में पहुंच चुकी है।देश में बाल मजदूरों की संख्या निरंतर बढती जा रही है।देश में समय पर बाल मजदूरी के हजारों मामले प्रकाश में आते रहते है।देश में बाल मजदूरी के आंकडे चैंकाने वाले है ।प्रतिदिन कही न कही बाल मजदूरों को रिहा करवाया जाता है। चाय की दुकानों ,ढाबों ,होटलों, उद्योगों और घरों में भी 18.18 घंटे काम लिए जाने की घटनाएं तो आम हैं ही ,इन्हे इसके बदले दिया जाने वाला मेहनतनामा भी कम होता है। प्रतिदिन देश में बालमजदूरों को रिहा करवाया जाता है।अगर इस पर सख्त कानून बनाया जाए तो यह बालमजदूरी पर रोक लग सकती है ।,देश का भविष्य कहलाले वाले इन नौनिहालों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता है ,यह किसी भी सभ्य समाज और कानून में मान्य नहीं होना चाहिए। हर रोज ऐसे

मामले समाचारों की सुखि।यां बनती है।ऐसे मामलो को पर कुछ दिन कारबाई होती है उसके बाद वही परिपाटी चलती रहती है।बाल मजदूर पिसते रहते है।जनमानस को भी बाल मजदूरी के ऐसे मामलों की शिकायत प्रशासन से करनी चाहिए ताकि उनका शोषण रोका जा सके। देश के प्रत्येक राज्य में ऐसे मामले घटित होते रहते है।अगर प्रशासन सर्तकता से इन पर संज्ञान ले तब इस पर रोक लग सकती है।कानूनों की अवहेलना करने वालों पर शिंकजा कसा जाए।मालिको को हवालातों में डाला जाए जो बच्चों का शोषण कर रहे है।प्रशासन को छापेमारी करके इन बच्चों को छुडाना चाहिए। आखिर कब तक बालश्रम कानून की धज्जियां उडती रहेगीं। बाल मजदूरी एक कड़वी सच्चाई है इससे सरकारों को अनदेखा नहीं करना चाहिए अपितू सख्त कानून बनाकर इसका खात्मा करना चाहिए। जिनके अभी खेलने कूदने के दिन हैं वे ऐसे काम करते हैं कि रुह कांप उठती हैं। बाल मजदूरी आज एक बहस का विषय बनता जा रहा है, कानूनों का मजाक उडाया जा रहा है सरकारें भी कानून बनाकर इतिश्री कर लेती है यदि शिकजा कसा जाए तो इस पर कुछ हद तक रोक लग सकती है।,श्रम विभाग व्दारा भी कभी कभार छापामारी की जाती है मगर फिर वही सिलसिला चलता रहता है।सरकारें मूकदर्शक बनी हुई हैं,यदि सरकारों को जरा भी सदमा होता तो इस प्रथा पर जरूर रोक लगाती। यह समस्या विश्वव्यापी है। आज पटाखा फैक्टरियों,चूडियों के उद्योगों में ,गलीचा बनाने वाले उद्योगों में बाल मजदूरों की संख्या ज्यादा है।देश में समय पर बाल मजदूरों को सामाजिक संस्थाओं द्वारा छुडाया जाता है । उतरप्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडू ,गुजरात, आन्ध्रप्रदेश,हिमाचल प्रदेश में उद्योगों में अधिकतर काम बालश्रमिकों के कधों पर हैं।बालश्रम का यह अवैध धंधा बडे पैमाने पर पनपता जा रहा है।समाज को इस पर मंथन करना होगा।अगर समय रहते इस पर रोक न लगाई तो भविष्य में हालात बेकाबू हो सकते है।देश में खैनी, जरदा, तम्बाकू, गुटका,बीडी, व अन्य नशीले पदार्थों के उद्योगों में बालश्रमिक ही इन को बनाते हैं। माचिस ,आतिशबाजी, के उद्योगों में इनका शोषण किया जाता है। इनके मालिक इनको भर पेट खाना तक नहीं खिलाते है जिस कारण कई बाल मजदूर बीमार हो जाते है और असमय काल का ग्रास बन जाते हैं इनके मालिको द्वारा इनके स्वास्थ्य की जांच तो दूर की बात है।बाल मजदूरी गरीबी की वजह से पैदा होती हैं। परिवार पालने के लिए दिन रात काम करते हैं इन बाल मजदूरों को आराम तक का समय भी नहीं मिलता है । बालश्रम के उन्मूलन के लिए सरकार को प्रभावी कदम उठाने चाहिए। यह देश के लिए बहुत ही शर्मनाक है। आज बाल मजदूरों की संख्या में अप्रत्याशित रुप से वृद्वि होती जा रही हैं मगर सरकारें इस पर रोक लगाने में अक्षम नजर आ रही है प्रतिदिन हजारों बाल मजदूरों को सामाजिक संस्थाओं के प्रयासों से मुक्त करवाया जाता है मगर ऐसे भी मामले हैं जो प्रकाश में नहीं आ रहे हैं और बालमजदूर नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं ।प्रशासन को चाहिए बिना समय गंवाए इस पर त्वरित एक्शन लेना चाहिए।देश में आज बाल श्रमिकों का आंकड़ा कम होने के बजाए बढ़ता जा रहा है। इस पर रोक लगानी होगी।आज नाबालिग बच्चों को जबरदस्ती बाल मजदूरी की तरफ झोंका जाता है।बाल मजदूरों की सुरक्षा के लिए काफी कानून बने हैं पर वे नाकाफी साबित हो रहे हैं। यदि इन्हे कारगर ढंग से लागू किया जाए तो इस पर कुछ हद तक रोक लग सकती है। आज यह समस्या विश्व व्यापी बनती जा रही हैं।बाल मजदूरी को रोकने के लिए समाज के लोगों को आगे आना होगा ताकि इस पर नकेल लग सके और देश का भविष्य बर्बाद होने से बच सके। समाज को एक व्रत लेना होगा तभी इस पर लगाम लग सकती है अन्यथा बाल मजदूर बालश्रम की भठठी में झुलसते रहेंगें। बचपन को बचाना होगा। एक अभियान चलाना चाहिए ताकि बाल मजदूरों को मुक्त करवाया जा सके।यह देश हित में है।बाल मजदूरी की इस प्रथा को जड़ से मिटाना होगा।

सड़क हादसेः खड़े कर रहे सवालिया निशान

अमित बैजनाथ गर्ग

यूं तो अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने वाली सड़कें देश के विकास में अहम भूमिका निभा रही हैं, लेकिन आए दिन होने वाले सड़क हादसे कई सवालिया निशान भी खड़े कर रहे हैं। सड़क हादसे भारत जैसे विकासशील देश के लिए चुनौती बने हुए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पिछले साल वैश्विक सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान एक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, जिसके अनुसार वैश्विक स्तर पर सड़क दुर्घटनाओं में प्रति वर्ष 1.35 मिलियन से अधिक मौतें होती हैं, और 50 मिलियन से अधिक लोगों को गंभीर शारीरिक चोटें आती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, विश्व में सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली कुल मौतों में से 11 प्रतिशत भारत में होती हैं। सड़क दुर्घटनाओं के कारण भारत को होने वाले नुकसान को लेकर विश्व बैंक के आकलन के अनुसार, 18-45 आयु वर्ग के लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर सर्वाधिक 69 प्रतिशत है। इसके अलावा 54 प्रतिशत मौतें और गंभीर चोटें मुख्य रूप से संवेदनशील वर्गों जैसे पैदल यात्री, साइकिल चालक और दोपहिया वाहन सवार आदि में देखी जाती हैं। भारत में 5-29 वर्ष आयु-वर्ग के बच्चों और युवा वयस्कों में सड़क दुर्घटना मृत्यु का सबसे बड़ा कारण है। विश्व सड़क सांख्यिकी के अनुसार, 2018 में सड़क दुर्घटना से होने वाली मौतों की संख्या में भारत दुनिया में पहले स्थान पर था। इसके बाद चीन और अमेरिका का नंबर आता है।

केंद्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, देश भर में होने वाली कुल सड़क दुर्घटनाओं में से 76 प्रतिशत दुर्घटनाएं ओवरस्पीडिंग और गलत साइड पर गाड़ी चलाने जैसे यातायात नियमों के उल्लंघन के कारण होती हैं। कुल सड़क दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहनों और पैदल चलने वालों की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसके बावजूद सड़क यातायात इंजीनियरिंग और नियोजन के दौरान इस विषय पर ध्यान नहीं दिया जाता। यातायात इंजीनियरिंग और नियोजन सड़कों को विस्तृत करने तक ही सीमित है, जिसके कारण कई बार सड़कों और राजमार्गों पर ब्लैक स्पॉट बन जाते हैं। ब्लैक स्पॉट वे स्थान होते हैं, जहां सड़क दुर्घटना की आशंका सबसे अधिक रहती है। सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली 80 प्रतिशत मौतों के लिए वाहन चालक प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार होते हैं। यह तथ्य देश में अच्छे ड्राइविंग स्कूलों की कमी की ओर भी इशारा करता है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की 'भारत में सड़क दुर्घटनाएं' शीर्षक वाली रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2022 में सड़क दुर्घटना में लगभग 68 प्रतिशत मौतें ग्रामीण क्षेत्रों में हुईं, जबकि कुल दुर्घटना मौतों में शहरी क्षेत्रों का योगदान 32 फीसद रहा। दुर्घटनाओं और मृत्यु दर, दोनों में दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी सर्वाधिक रही। यूं तो सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए केंद्र सरकार अपने स्तर पर काफी प्रयास कर रही है, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पा रहे हैं। सड़क सुरक्षा के बारे में प्रभावी जन जागरु कता बढ़ाने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से मीडिया के सभी माध्यमों द्वारा विभिन्न प्रचार उपाय एवं जागरु कता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा मंत्रालय सड़क सुरक्षा समर्थन के संचालन के लिए विभिन्न एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए भी योजना का संचालन कर रहा है। इंजीनियरिंग योजना स्तर पर सड़क सुरक्षा को सड़क डिजाइन का एक अभिन्न अंग बनाया गया है। सभी राजमार्ग परियोजनाओं का सभी चरणों में सड़क सुरक्षा ऑडिट अनिवार्यकिया गया है। इसके साथ ही मंत्रालय ने वाहन की अगली सीट पर ड्राइवर की बगल में बैठे यात्री के लिए एयरबैग के अनिवार्यप्रावधान को लागू किया है। इसके साथ ही कानूनों और प्रवर्तन में सुधार, ढांचागत परिवर्तनों के माध्यम से सड़कों को सुरक्षित बनाना और सभी वाहनों में जीवनरक्षक तकनीक उपलब्ध कराना जरूरी किया जाना चाहिए।

असल में सड़क हादसों में कमी लाने के लिए जरूरी है कि लोगों के व्यवहार में परिवर्तन का प्रयास किया जाए। हेलमेट और सीट बेल्ट के प्रयोग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है, क्योंकि अधिकांश सड़क

दुर्घटनाएं इन्हीं कारणों से होती हैं। लोगों को शराब पीकर गाड़ी न चलाने के प्रति जागरूक करना होगा। वहीं दुर्घटना के बाद तत्काल प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराना और पीड़ित को जल्द अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था करने से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। दुर्घटना के बाद आस-पास खड़े लोग घायल की जान बचाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। सड़कों की योजना, डिजाइन और संचालन के दौरान सुरक्षा पर ध्यान देना सड़क दुर्घटनाओं में मौतों को कम करने में प्रभावी योगदान दे सकता है। जब तक इन सुझावों पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक सड़क दुर्घटनाओं को कम करना संभव नहीं होगा। जरूरी है कि सड़क सुरक्षा से संबंधित सभी पहलुओं पर विचार करते हुए आवश्यक उपायों की खोज की जाए।

संक्षिप्त समाचार

अधिवक्ता के घर मुवक्किल बनकर घुसे लुटेरे...

कानपुर , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में लुटेरों ने रविवार सुबह आयकर अधिवक्ता, उनकी पत्नी और नौकरानी को बंधक बनाकर गन प्वाइंट पर लिया और तीन लाख का माल लूट ले गए। चर्चा है कि करीब 10 लाख की लूट हुई है। इसमें नकदी, जेवर के साथ दो मोबाइल भी शामिल हैं। एसपी ने मौके पर पहुंचकर जांच की और पांच टीमें खुलासे के लिए लगाईं। सदर कोतवाली के जेर खिड़की निवासी आयकर अधिवक्ता सैय्यद कैमूल हसनैन जैदी के घर रविवार सुबह 8:30 बजे तीन लुटेरे पहुंचे। नौकरानी आफरीन को अधिवक्ता का मुवक्किल बताकर दरवाजा खुलवाया। अंदर जाकर लुटेरों ने अधिवक्ता, उनकी पत्नी शाहीन रजा और नौकरानी को गन प्वाइंट पर ले लिया। तीनों की आंखों पर पट्टी और हाथ पीछे बांध दिए। इसके बाद लॉकर खुलवाए और उसमें रखी 1.50 लाख की नकदी और इतने ही कीमत के जेवर लूट लिए।

एक घंटे तक लूटपाट करने के बाद लुटेरे अधिवक्ता व उनकी पत्नी के मोबाइल भी ले गए। सुबह 10 बजे पड़ोसी इमरान ने एक मामले में सलाह लेने के लिए अधिवक्ता को कॉल की। घंटी गई लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ।

वह घर मिलने आए तो मुख्य गेट खुला देख अंदर चले गए। वहां पहले सभी की आंखों से पट्टी हटाई और हाथ खोले। पीड़ित ने इमरान के ही मोबाइल से डायल 112 को सूचना दी। इसके बाद एसपी दीपक भूकर, एएसपी अखिलेश सिंह, सीओ सिटी सोनम सिंह, कोतवाल प्रमोद कुमार मिश्रा एसओजी टीम के साथ पहुंचे और जांच की।

पीड़ित के बयान दर्ज किए। घर में सीसीटीवी नहीं लगा मिला। कालीन का काम करने वाले पड़ोसी शरीफ के घर में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। उसमें तीन युवक नजर आए। तीनों की लंबाई भी काफी है।

पुलिस डीबीआर साथ ले गई। अधिवक्ता ने 1.50 लाख रुपये और इतने ही कीमत के जेवर और मोबाइल लूटने की तहरीर दी है। घटना की जांच को फॉरेंसिक और डॉग स्क्वायड भी पहुंचा लेकिन कुछ खास नहीं मिला। एसपी ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। जल्द खुलासा किया जाएगा।

पेंशनभोगियों को घर बैठे जीवन प्रमाणपत्र देगा डाकघर

उन्नाव। बुजुर्गों को जीवन प्रमाणपत्र के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। डाक विभाग ने घर-घर जाकर प्रमाणपत्र देने की व्यवस्था शुरू की है। ग्रामीण डाक सेवक एवं डाकियों के माध्यम से पेंशनरों को घर बैठे इस सुविधा का लाभ दिया जा रहा है, जिसका शुल्क मात्र 70 रुपये है।

कानपुर मंडल के डाक अधीक्षक सर्वेश कुमार ने बताया कि अब बुजुर्गों को पेंशन के लिए जरूरी जीवन प्रमाण पत्र पाने के लिए इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं है। डाक विभाग एवं विभागीय इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक 31 दिसंबर तक अभियान चलाकर जीवन प्रमाणपत्र बना रहा है। सुविधा के तहत घर बैठे डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र बनवाने की सुविधा मिलेगी। यह सुविधा शहरी, ग्रामीण के अलावा उपडाकघर एवं शाखा डाकघरों में उपलब्ध है।

पेंशनधारकों का खाता किसी भी बैंक में होगा लेकिन डाकघर जीवन प्रमाणपत्र देगा। यदि पेंशनधारक घर बैठे इस सुविधा को चाहते हैं तो उन्हें पोस्टइंफो एप के सर्विस एवं रिक्वेस्ट विकल्प में जाकर एक रिक्वेस्ट देनी होगी। फिर संबंधित क्षेत्र का पोस्टमैन पेंशनधारक से संपर्क कर उसका जीवन प्रमाणपत्र उसी के घर पर जाकर बनाएगा। बताया कि यूआईडीएआई इस अभियान में तकनीकी सहायता दे रहा है। बुजुर्ग पेंशनभोगियों के लिए चेहरे सत्यापन को ज्यादा बेहतर एवं आसान बना दिया गया है। विभाग द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में शिविर भी लगाए जा रहे हैं। अधीक्षक के मुताबिक, सभी ग्रामीण डाक सेवक एवं डाकिये मोबाइल फोन से लैस हैं। इनका उपयोग फिंगर बायोमैट्रिक व चेहरा सत्यापन तकनीक का उपयोग कर प्रमाणपत्र जारी करने के लिए किया जाएगा।

यूपी उपचुनाव :

एक-एक वोट की हो रही है निगरानी, सपा-भाजपा की प्रतिष्ठा दांव पर, कांग्रेस मुकाबले से दूर

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश में नौ सीटों पर हो रहा उपचुनाव भविष्य की सियासत के लिए अहम है। इसे वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिटमस टेस्ट के रूप में देखा जा रहा है। कांग्रेस के मैदान से बाहर होने से अब यह सीधे सपा-भाजपा के दिग्गजों की प्रतिष्ठा से जुड़ गया है। यही वजह है कि सियासी हवा का रुख अपने पक्ष में मोड़ने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ से लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव तक मैदान में डटे हैं। वे नफा-नुकसान को ध्यान में रखकर सियासी तीर चला रहे हैं।

उपचुनाव वाली सीटों में गाजियाबाद, खैर और फूलपुर पर भाजपा काबिज थी जबकि मीरापुर सीट पहले सपा के साथ रही रालोद ने जीती थी। अब रालोद भी भाजपा के साथ है। इसी तरह मझवां सीट निषाद पार्टी के पास थी, पर इस बार यहां भाजपा ने पूर्व विधायक को मैदान में उतारा है। जिन नौ सीटों पर 20 नवंबर को मतदान है, उसमें ज्यादातर सीटों पर भाजपा और सपा के बीच सीधा मुकाबला है। कुछ सीटों पर बसपा मुकाबले को त्रिकोणीय बना रही है।

यह अलग बात है कि उपचुनाव के परिणाम से सरकार की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन वर्ष 2027 के चुनाव को लेकर मतदाताओं का रुझान जरूर तय करेगा। यही वजह है कि भाजपा और सपा ने सीटों की स्थिति के आधार पर प्रभारी और सह प्रभारी तय किए हैं। संबंधित नेता अपने प्रभार वाली सीट पर न सिर्फ जनसभा कर रहे हैं, बल्कि गांव-गांव में पसीना बहा रहे हैं।

करहल से जुड़ी पूरे सैफई परिवार की साख

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह चुनाव इसलिए भी सियासी दिग्गजों की अग्निपरीक्षा है क्योंकि इस परिणाम का असर 2027 के टिकट बंटवारे पर भी पड़ेगा। स्थानीय दिग्गजों के साथ ही राज्य स्तरीय नेतृत्व क्षमता का दंभ भरने वालों का भी कद तय होगा। इसका मनोबल पर भी असर पड़ेगा। सीटों की स्थिति देखें तो करहल सीट पर सिर्फ अखिलेश यादव ही नहीं, पूरे सैफई परिवार की प्रतिष्ठा दांव पर है। सियासी जानकारों का कहना है कि करहल में सपा का वोटबैंक घटता है और भाजपा बढ़त हासिल करती है तो इसका बड़ा संदेश पूरे देश में जाएगा। यही वजह है कि यहां कई मंत्रियों के साथ ही सीएम योगी भी जनसभा कर चुके हैं।

कटेहरी से यहां के सांसद लालजी वर्मा की प्रतिष्ठा दांव पर है। सपा से यहां के प्रभारी

बनाए गए शिवपाल सिंह यादव और भाजपा की ओर से उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, निषाद पार्टी के अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद के सियासी कद की भी यहां परीक्षा है। मझवां में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और उनके पति आशीष पटेल की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। मीरापुर सीट से रालोद अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह की प्रतिष्ठा दांव पर है। कुर्मी बहुल फूलपुर में असली परीक्षा एमएसएमई मंत्री राकेश सचान और सपा महासचिव इंद्रजीत सरोज की है। यह सीट उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद की प्रतिष्ठा से भी जुड़ी हुई है। कुंदरकी की कमान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह और मंत्री जेपीएस राठौर को सौंपी गई है तो सपा से रामअवतार सैनी को अपनी ताकत दिखाने का मौका मिला है। सीसामऊ के परिणाम का असर भाजपा के दिग्गज मंत्री सुरेश खन्ना पर पड़ना तय है। कुछ ऐसी ही स्थित गाजियाबाद और खैर सीट की भी है।

इसलिए अहम है उपचुनाव

राजनीतिक विश्लेषक व वरिष्ठ पत्रकार रतनमणि लाल कहते हैं कि उपचुनाव सीधे तौर पर सपा-भाजपा के बीच है। यह चुनाव सीएम योगी आदित्यनाथ और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है। चुनाव जीतने की रणनीति भी प्रदेश स्तर पर तय की जा रही है। भाजपा सभी सीटों पर दावा कर रही है, लेकिन पांच से एक भी सीट अधिक हुई तो यह उसकी उपलब्धि मानी जाएगी। सपा उसकी इस उपलब्धि को रोककर जनता के बीच यह संदेश देना चाहती है कि लोकसभा की तरह ही जनता के बीच उसका जलवा कायम है। इस चुनाव परिणाम के आधार पर स्थानीय क्षत्रपों का भविष्य भी तय होगा।

भाजपा प्रदेश सह संयोजक बोले-

एसपी, बीएसपी और कांग्रेस में नहीं लोकतंत्र, 20 मंडलों में चुनाव अधिकारी नियुक्त

अयोध्या, एजेंसी। रामनगरी अयोध्या में रविवार को भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक और चुनाव अधिकारी रणजीत सिंह कुशवाहा पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसमें बूथ समिति से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक का चुनाव होता है। पार्टी में पूर्ण आंतरिक लोकतंत्र है। पार्टी का छोटा कार्यकर्ता भी अपने समर्पण से उच्च पदों तक पहुंच सकता है। जबकि सपा, कांग्रेस व बसपा में कोई लोकतंत्र नहीं है। इनमें तय है कि एक ही परिवार का सदस्य पार्टी का अध्यक्ष होगा।

प्रदेश सह संयोजक भाजपा के सांगठनिक चुनाव की तैयारियों को लेकर पार्टी कार्यालय पर जिले के पदाधिकारियों व कार्यकताओं की कार्यशाला में बोल रहे थे। जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने बताया कि सदस्यता अभियान के दूसरे चरण में बूथ समिति, बूथ अध्यक्ष और पन्ना प्रमुख का चुनाव होगा। यह चुनाव 30 नवंबर तक पूरे हो जाएंगे। बूथ समिति के पदाधिकारियों के चुनाव के बाद मंडल व जिले का चुनाव होगा। पार्टी में सांगठनिक चुनाव लोकतांत्रिक होता है।

इनको बनाया गया चुनाव अधिकारी

बैठक में जिले के सभी 20 मंडलों के चुनाव अधिकारी नियुक्त किए गए। रुदौली विधानसभा क्षेत्र के बाबा बाजार में सरयू दुबे, मवई सर्वजीत सिंह, रुदौली देहात चंद्रबली सिंह, रुदौली नगर जनार्दन मौर्य व शुजागंज का ऋषिकेश वर्मा को मंडल चुनाव अधिकारी बनाया गया है। मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के अमानीगंज मंडल में शिवगोविंद पांडेय, हैरिंग्टनगंज अखंड प्रताप सिंह, कुचेरा मंडल विजय लक्ष्मी जायसवाल, मिल्कीपुर शिवम सिंह व कुमारगंज के अशोक कसौधन मंडल चुनाव अधिकारी होंगे।

बीकापुर विधानसभा क्षेत्र के सोहावल पश्चिमी दान बहादुर सिंह, सोहावल पूर्वी राधेश्याम त्यागी, भरतकुंड किशोरी लाल भारती, रानी बाजार धर्मेंद्र सिंह, बीकापुर राघवेंद्र पांडेय मंडल चुनाव अधिकारी होंगे। गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र के तारुन मंडल में विजय बहादुर तिवारी, हैदरगंज मंडल सुनील मिश्र, चौरे बाजार कृष्ण कुमार पांडेय खुन्नू, मया बबलू पासी व गोसाईगंज मंडल का भूपेंद्र सिंह को चुनाव अधिकारी बनाया गया है।

यह लोग रहे मौजूद

बैठक में पूर्व सांसद लल्लू सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, विधायक अमित सिंह चौहान, पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा, पूर्व जिलाध्यक्ष कमला शंकर पांडेय, अवधेश पांडेय बादल, सह चुनाव अधिकारी अशोक मिश्र, कृष्ण कुमार पांडेय खुन्नू, डॉ. विजय लक्ष्मी जायसवाल, सरजू दुबे व राम मोहन भारती सहित मोर्चा व मंडल के पदाधिकारी मौजूद रहे।

राजधानी की सड़कों पर दौड़ी डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस

पहले दिन 147 यात्रियों ने उठाया सफर का लुत्फ

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में एसी डबल डेकर इलेक्ट्रिक सिटी बस रविवार से राजधानी की सड़कों पर दौड़ने लगी। कमता बस अड्डे से पहली ट्रिप में 25 यात्रियों ने सफर किया। पूरे दिन में बस ने चार चक्कर लगाए। इस दौरान कुल 147 यात्रियों ने सफर का लुत्फ उठाया।

यूपी की पहली डबल डेकर ई सिटी बस का शुभारंभ शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था। रविवार को शहर में जनता के लिए यह बस शुरू हुई तो लोगों में इसके लिए उत्सुकता दिखी। हालांकि, छुट्टी के चलते पहले दिन बस को कम यात्री मिले।

वन यूपी वन कार्ड से पेमेंट पर दस प्रतिशत छूट

सिटी ट्रांसपोर्ट के एमडी आरके त्रिपाठी ने बताया कि बस रोजाना कमता अवध बस स्टेशन से सुबह सात बजे से अमौसी के लिए चलेगी। इसमें एक साथ 65 यात्री बैठ सकते हैं। डबल डेकर बस का किराया इलेक्ट्रिक बसों के बराबर ही है। महिलाओं को एमएसटी पर किराये में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। वन यूपी वन कार्ड से पेमेंट पर किराये में दस प्रतिशत छूट मिलेगी।

महिलाएं मुफ्त में सफर कर सकेंगी

हर शनिवार को डबल डेकर बस हेरिटेज बस के रूप में चलेगी। इसमें महिलाएं मुफ्त में सफर कर सकेंगी। यह बस एक बार चार्ज होने पर 150 किमी तक चलेगी। बस में पांच सीसीटीवी कैमरे और पैनिक बटन लगाए गए हैं। रियल टाइम लोकेशन के लिए इसमें व्हीकल ट्रैकिंग डिवाइस भी लगी है।

10 लाख में बुक हुआ काशी विश्वनाथम क्रूज

▶ पर्यटकों के लिए चाय- कॉफी और नाश्ते का प्रबंध

वाराणसी, एजेंसी। देव दीपावली पर रामेश्वरम और काशी विश्वनाथम क्रूज 10-10 लाख रुपये में बुक हुए हैं। दोनों क्रूज पर 10 हजार रुपये प्रति पर्यटक के लिए बुकिंग हुई है। इनकी क्षमता 100 लोग प्रति क्रूज है। काशी विश्वनाथम क्रूज के प्रबंधक अजय साहनी क्रूज पर कॉफी और चाय के अलावा बनारसी नाश्ते का भी प्रबंध किया गया है।

वहीं, इस वर्ष आसपास के जिलों से डेढ़ हजार से अधिक छोटे वाहनों की डिमांड अलग-अलग टूर ऑपरोटरों ने की है। इस वजह से ट्रेवेल्स की गाड़ियों और टैक्सी की मांग बढ़ी है। टूर ऑपरेटर अनिल त्रिपाठी ने बताया कि पर्यटकों की मांग को पूरा करने के लिए आसपास के जिलों से छोटे चार पहिया वाहनों को मंगाना पड़ रहा है।

नावों की भी करा रहे हैं बुकिंग

देव दीपावली पर टूर ऑपरेटर पैकेज में होटलों में कमरों की बुकिंग के अलावा ट्रांसपोर्टेशन और नावों की बुकिंग भी करा रहे हैं। टूरिस्ट प्रबंधक संतोष सिंह के मुताबिक, पर्यटकों से होटल फुल हैं।

मगर अभी भी मांग को पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है। कोशिश है कि काशी आने पर पर्यटक अधिक से अधिक समय तक काशी में रुकें और जिले के अलावा आसपास के पर्यटक स्थलों का भी दौरा करें।

डेढ़ लाख में बुक हुआ महाराजा सुईट

देव दीपावली पर बृजरमा पैलेस का महराजा सुईट इस बार डेढ़ लाख रुपये में बुक हुआ है। जबकि, होटल सूर्य देव हवेली में 1.20 लाख में बुकिंग हुई है। होटल मार्केटिंग से संबंधित अधिकारी ने बताया कि दिसंबर माह तक होटल में बुकिंग फुल हैं। टूर ऑपरेटर अभिषेक सिंह ने बताया कि इस बार पर्यटकों से होटल फुल हैं।

कोल्ड स्टोरों पर कसा गया शिकंजा, बाहर नहीं फेंक सकेंगे सड़ी सब्जियां

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश के निजी शीतगृह (कोल्ड स्टोर) संचालकों पर शिकंजा कसने की तैयारी है। वे अब किसी भी स्थान पर सड़ी गली सब्जियां अथवा आलू नहीं रख सकेंगे। अब सड़ी गली सब्जियों के लिए अलग से प्लांट बनवाना होगा। वैज्ञानिक तरीके से बनने वाले इस प्लांट में सड़ी गली सब्जियों के जरिए कंपोस्ट खाद तैयार करना होगा। इसके लिए विषय विशेषज्ञों की सलाह लेनी पड़ेगी। ऐसा करने के लिए दो माह का वक्त दिया गया है। इस संबंध में उद्यान विभाग के प्रमुख सचिव बीएल मीणा ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है। प्रदेश में करीब 198 निजी शीतगृह हैं। इनमें हर साल करीब 140 से 150 लाख मीट्रिक टन आलू स्टोर किया जाता है। इसके अलावा करीब 50 लाख मीट्रिक टन अन्य तरह की सब्जियां रखी जाती हैं। इसमें करीब दो से तीन फीसदी सब्जियां कई बार अलग-अलग कारणों से सड़ गल जाती हैं। इन्हें कुछ शीतगृह संचालक सड़कों के किनारे फेंकवा देते हैं तो कुछ गड्ढा खोदकर मिट्टी में दबा देते हैं।

अब इस पर पाबंदी लगा दी गई है। क्योंकि ये मिट्टी में उपलब्ध धातुओं एवं रसायनों को प्रभावित कर रहे हैं। इससे मिट्टी और भूजल दूषित हो रहा है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निर्देश के बाद सरकार इस मुद्दे पर सख्त हो गई है। उद्यान विभाग के प्रमुख सचिव बीएल मीणा ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि सड़ी सब्जियों के निस्तारण के लिए वैज्ञानिक तरीका अपनाया जाए। सड़ी सब्जियों एवं आलू को न तो बाहर फेंका जाएगा और न ही शीतगृह के अंदर ढेर लगाया जाएगा। इसके लिए शीतगृह में ही प्लांट बनाना होगा। विशेषज्ञ की निगरानी में तैयार होने वाली कंपोस्ट खाद किसानों को दी जाएगी। इससे शीतगृहों को आमदनी भी होगी। इसका रिकॉर्ड भी रखना होगा।

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
उजाला संचार

मैं उस टीम में खेलना चाहता हूं, जहां मुझे स्वतंत्रता और सम्मान मिले : राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज के एल राहुल ने कहा है कि वह एक ऐसे संतुलित माहौल में खेलना चाहते हैं, जहां उन्हें पूरी स्वतंत्रता के साथ खेलने का मौका मिले। साथ ही आरसीबी में शामिल होने को लेकर भी राहुल ने अपनी राय रखी है। लखनऊ सुपर जायंट्स ने राहुल को रिलीज़ कर दिया था और अब वह मेगा नीलामी का इंतज़ार कर रहे हैं।

कुछ समय पहले ही लखनऊ फ्रेंचाइज़ी के मालिक संजीव गोयनका ने उन खिलाड़ियों को टीम में रिटेन करने की इच्छा जताई थी जिनके पास ÷जीतने की मानसिकता÷ हो और जो ÷अपनी व्यक्तिगत आकांक्षाओं और लक्ष्यों से पहले टीम को महत्व दें।÷ क्या इस बयान ने किसी तरह राहुल की नीलामी में जाने की इच्छा को प्रेरित किया?

इस सवाल के जवाब में राहुल ने 12 नवंबर को स्टार स्पोर्ट्स को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'नहीं, मुझे लगता है निर्णय पहले ही लिया जा चुका था और मुझे नहीं पता कि उस बयान में क्या कहा गया था, लेकिन यह शायद रिटेंशन की घोषणा के बाद ही आया होगा। मुझे लगा कि मैं एक नई शुरुआत करना चाहता हूं, अपने विकल्पों को तलाशना चाहता हूं और वहां खेलना चाहता हूं, जहां मुझे थोड़ी स्वतंत्रता मिले और टीम का माहौल अधिक संतुलित हो।'

'आईपीएल में पहले से ही बहुत दबाव होता है। आप गुजरात टाइटंस, चेन्नई सुपर किंग्स और अन्य टीमों को देखते हैं तो ऐसा साफ़ दिखता है कि जब वे जीतते या हारते हैं तो उनका संतुलन बना रहता है और ड्रेसिंग रूम का माहौल बहुत शांत होता है। एक खिलाड़ी के रूप में यह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मुझे लगता है कि अगर ऐसा माहौल हो, तो सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का सबसे अच्छा मौक़ा मिलता है।'

राहुल ने कहा, 'न कप्तानी मेरे लिए उतना भी ज़रूरी नहीं है कि इसी से आगे की सारी चीज़ें तय हों। मैं बस एक ऐसी टीम का हिस्सा बनना चाहता हूं जिसमें अच्छा वातावरण हो। जहां आपको प्यार, देखभाल और सम्मान मिले और उस वातावरण में फ्रेंचाइज़ी के हर व्यक्ति का एक ही लक्ष्य हो - जीतना। अगर ऐसा है तो वह मेरे लिए एक आदर्श स्थिति होगी।'

उन्होंने कहा, 'हमने एलएसजी में पहले एंडी फ्लावर (हेड कोच) और जीजी (गौतम गंभीर, मेंटॉर) के साथ और फिर पिछले साल नए हेड कोच जस्टिन लैंगर के साथ उस तरह के माहौल को बनाने की कोशिश की। मुझे लगता है कि ड्रेसिंग रूम का वातावरण शानदार था। लेकिन कभी-कभी आपको ख़ुद के लिए कुछ बेहतर तलाशने के लिए आगे बढ़ने की ज़रूरत होती है।'

राहुल ने 2022 और 2023 में एलएसजी को प्लेऑफ़ तक पहुंचाया था। जब उनसे आईपीएल 2024 को लेकर सवाल किया गया, तो राहुल ने संकेत दिया कि बाहरी दबाव उनके प्रदर्शन में गिरावट का कारण हो सकता है। राजस्थान रॉयल्स के ख़िलाफ़ हार के साथ शुरुआत करने के बाद, उन्होंने लगातार तीन मैच जीते, लेकिन फिर सीज़न के मध्य में उनकी टीम लड़खड़ा गई। इसके बाद उनका प्रदर्शन गिरता गया। हालांकि इस बीच राहुल 136.12 की स्ट्राइक रेट के साथ 520 रन बनाते हुए, अपने टीम के टॉप स्कोरर रहे।

हालांकि इतने रन बनाने के बावजूद राहुल टीम के साथ बने रहेंगे या नहीं इस बात पर संशय था। इसका सबसे बड़ा कारण यह था कि लीग स्टेज में सनराइजर्स हैदराबाद के ख़िलाफ़ खेले गए एक मैच के बाद राहुल और गोयनका के बीच गहमा-गहमी हुई थी, जो वीडियो में साफ़ दिख रहा था।

उन्होंने कहा, 'खेल में हमेशा उतार-चढ़ाव आते हैं। आपको अपने धैर्य को बनाए रखना होता है और लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहना होता है। यात्रा, बाहरी घटनाएं, दबाव - ये सब हर साल होता है। लेकिन इस सीजन में ऐसा लगा कि यह सब कुछ ज़्यादा था और मुझे लगता है कि इसका असर टीम पर पड़ा, और हम तब प्रदर्शन नहीं कर पाए जब वास्तव में उसकी ज़रूरत थी।'

राहुल ने कहा कि इस समय उनके लिए आईपीएल की कप्तानी सबसे महत्वपूर्ण चीज़ नहीं है, बल्कि एक 'अच्छे वातावरण' में खेलना ज़्यादा मायने रखता है। राहुल ने आईपीएल कप्तानी के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'मैं कभी भी जाकर किसी से कप्तानी के बारे में नहीं पूछूंगा। अगर आपको लगता है कि मेरी नेतृत्व क्षमताएं पर्याप्त हैं और आपको मेरी क्रिकेट खेलने की

शैली और ख़ुद को संभालने के तरीके में कुछ अच्छा नज़र आता है, तो निश्चित तौर पर मैं कप्तानी करने के लिए ख़ुश हूं।'

'लेकिन कप्तानी मेरे लिए उतना भी ज़रूरी नहीं है कि इसी से आगे की सारी चीज़ें तय हों। मैं बस एक ऐसी टीम का हिस्सा बनना चाहता हूं जिसमें अच्छा वातावरण हो। जहां आपको प्यार, देखभाल और सम्मान मिले और उस वातावरण में फ्रेंचाइज़ी के हर व्यक्ति का एक ही लक्ष्य हो - जीतना। अगर ऐसा है तो वह मेरे लिए एक आदर्श स्थिति होगी।'

सोशल मीडिया पर उनकी घरेलू टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु के साथ संभावित पुनर्मिलन की चर्चा तेज़ हो रही है। हालांकि राहुल किसी भी टीम में शामिल होने की संभावना को दरकिनार नहीं कर रहे हैं। लेकिन यह कोई रहस्य नहीं है कि उन्हें किस टीम से एक विशेष जुड़ाव है। उन्होंने कहा, 'मैंने आरसीबी में खेलते हुए सबसे ज़्यादा आनंद लिया। वह टीम मेरे लिए घर जैसी है। आप घर पर बहुत समय बिता सकते हैं, और मुझे चिन्नास्वामी स्टेडियम के बारे में अच्छी तरह से पता है। मैं वहां खेलते हुए बड़ा हुआ हूं।'

आरसीबी में वापस जाने के बारे में पूछे जाने पर राहुल ने कहा, ÷हां, बिल्कुल, जैसा कि मैंने कहा, यह मेरे लिए घर जैसा है और वहां के लोग मुझे एक स्थानीय कन्नड़ लड़के के रूप में जानते हैं, और वहां वापस जाना और फिर से एक अवसर पाना अच्छा होगा। लेकिन एक बात यह भी है कि नीलामी में आप किसी भी टीम में जा सकते हैं।'

फिटनेस और फॉर्म के लिए शमी को प्रथम श्रेणी मुकाबलों में दम-खम दिखाना होगा : पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता

इंदौर (एजेंसी)। पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता संजय जगदाले ने बुधवार को कहा कि रणजी ट्रॉफी मैच के जरिये प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में लगभग एक साल बाद वापसी करने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को फिटनेस और फॉर्म हासिल करने के लिए प्रथम श्रेणी मुकाबलों में दम-खम दिखाना होगा। पिछले साल 19 नवंबर को विश्व कप 2023 के फाइनल के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर शमी के टखने में चोट थी जिसके लिए उन्हें ऑपरेशन कराना पड़ा था। उन्होंने मध्यप्रदेश और बंगाल के बीच इंदौर के होलकर स्टेडियम में बुधवार से शुरू हुए रणजी ट्रॉफी मैच के जरिये प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की। जगदाले ने स्टेडियम में इस मैच के दौरान कहा, 'शमी कमाल के गेंदबाज रहे हैं। पिछले एक साल में भारत को उनकी गेंदबाजी की कमी निश्चित तौर पर खली है।' भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व सचिव ने कहा, 'हमें उम्मीद करनी चाहिए कि शमी जल्द ही अपने प्रदर्शन के शिखर पर पहुंचेंगे लेकिन फिटनेस और फॉर्म हासिल करने के लिए उन्हें अभी प्रथम श्रेणी मैच खेलने होंगे।'' यह पूछे जाने पर कि आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी प्रतियोगिता में भारतीय टीम को शमी की कमी खलेगी, जगदाले ने कहा, 'अनुभवी शमी की खूबियों वाला कोई गेंदबाज एकदम सामने नहीं आ सकता, लेकिन इस मुकाबले में उनकी कमी किसी युवा गेंदबाज के लिए मौका भी साबित हो सकती है जिसका फायदा उठाकर वह भारतीय टीम में खुद को स्थापित कर सकता है।' इस बीच शमी के कई युवा प्रशंसक अपने पसंदीदा गेंदबाज की मैदान पर वापसी के गवाह बनने होलकर स्टेडियम पहुंचे। ऐसे ही एक प्रशंसक रेहान पटेल ने कहा, 'भारत को बढ़िया तेज गेंदबाज की बहुत जरूरत है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि शमी रणजी ट्रॉफी मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करके भारतीय टीम में वापसी की राह बनाएंगे।'

विराट कोहली हो सकते हैं इस खास क्लब में शामिल, रोहित शर्मा के सामने गौतम गंभीर का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली और रोहित शर्मा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हैं। हालांकि, ये दोनों खिलाड़ी पहले नंबर पर नहीं है, दोनों ने अब तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2 मैच खेले हैं। 24 मैचों में उन्होंने 48.26 के औसत से 1979 रन बनाए हैं। वह इस बार 2000 रन बनाने वालों के क्लब में शामिल हो जाएंगे। भारत की ओर से सचिन तेंदुलकर, वीवीएस लक्ष्मण, राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा ये काम कर चुके हैं। कोहली 2000 के आंकड़े से केवल 21 रन दूर है। कोहली पर्थ टेस्ट में ही ये कारनामा कर सकते हैं। वहीं वह चेतेश्वर पुजारा से भी केवल 54 रन दूर हैं। पुजारा भारत और ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में चौथे स्थान पर है। वहीं रोहित शर्मा की नजर भी इस सीरीज में खास चीज पर होगी। रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 11 टेस्ट मैच खेले जिसमें उन्होंने 650 रन बनाए हैं। भारत की ओर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने के मामले में वह गौतम गंभीर से पीछे हैं। गंभीर ने 673 रन बनाए हैं। रोहित 14 रन बनाकर टीम इंडिया के हेड कोच से आगे निकल जाएंगे।

सानिया मिर्जा, हरभजन सिंह बने दुबई खेल के राजदूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन और पूर्व महिला युगल नंबर एक, सानिया मिर्जा और पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह को दुबई खेल राजदूत के रूप में नामित किया गया है। यह घोषणा सोमवार को दुबई स्पोर्ट्स काउंसिल द्वारा फ्यूचरिस्टिक म्यूजियम ऑफ द फ्यूचर में आयोजित ÷दुबई स्पोर्ट्स रिट्रीट÷ में की गई। दुबई स्पोर्ट्स काउंसिल के अध्यक्ष शेख मंसूर बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम के निर्देशों के तहत, रिट्रीट का उद्देश्य दुबई की खेल प्रतिष्ठा को मजबूत करना और शहर भर में सक्रिय, स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना है।

दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने इस पहल के पीछे के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। मैं रिट्रीट के दौरान दुबई के खेल राजदूतों से मिला - अरब और अंतर्राष्ट्रीय सितारों का एक प्रतिष्ठित समूह जो दुबई को अपना घर कहते हैं।

शेख हमदान ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में लिखा, खेल को आगे बढ़ाने और प्रतिभा को पोषित करने की उनकी प्रतिबद्धता वास्तव में प्रेरणादायक है। उन्होंने आगे कहा कि कार्यक्रम में चर्चा किए गए विचार और अंतर्दृष्टि खेलों के लिए एक

उज्जवल भविष्य को आकार देने, हमारे क्लबों की उपलब्धियों को बढ़ाने और स्थानीय प्रतिभा को पोषित करने में मदद करेंगे। हमारा लक्ष्य खेल को जीवन का एक तरीका, खुशी का स्रोत और दुबई के विकास का प्रमुख चालक बनाना है।

6 बार की ग्रैंड स्लैम विजेता और पूर्व युगल विश्व नंबर 1 मिर्जा ने नियुक्ति पर अपना सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दुबई खेल राजदूत नामित किया जाना एक बहुत बड़ा विशेषाधिकार है। दुबई वर्षों से मेरा घर रहा है और मैं खेल के माध्यम से लोगों को एक साथ लाने और शहर की समृद्ध खेल संस्कृति का जश्न मनाने में मदद करने के लिए रोमांचित हूं।

पहले टेस्ट में कमेंट्री नहीं कर पायेंगे पोंटिंग और लैंगर, आईपीएल नीलामी में रहेंगे व्यस्त

मेलबर्न - ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग और लंबे समय तक उनके साथी रहे जस्टिन लैंगर सऊदी अरब में होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मेगा नीलामी के कारण भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच में कमेंट्री नहीं कर पाएंगे। आईपीएल की नीलामी 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में होगी। एक ऑस्ट्रेलियाई समाचार पत्र के अनुसार, 'प्रतिबद्धताओं के टकराव के कारण चैनल सेवन को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पर्थ टेस्ट के कुछ हिस्सों में रिकी पोंटिंग और जस्टिन लैंगर की सेवाएं नहीं मिल पाएंगी। इस तरह से ऑस्ट्रेलिया को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआती मैच में अपने धुर प्रशंसक की कमी खल सकती है। पोंटिंग को पंजाब किंग्स ने हाल में अपना मुख्य कोच नियुक्त किया जबकि लैंगर पहले से ही लखनऊ सुपरजाइंट्स में यह भूमिका निभा रहे हैं। इन दोनों के अलावा ऑस्ट्रेलिया टीम के सहायक कोच डेनियल विटोरी भी पहले टेस्ट से बाहर रह सकते हैं। वह आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच हैं। इन तीनों की आईपीएल नीलामी में शामिल होने की संभावना है।

टाइटंस ने पार्थिव को बल्लेबाजी और सहायक कोच बनाया

नई दिल्ली । गुजरात टाइटंस ने भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र के लिए बल्लेबाजी और सहायक कोच नियुक्त किया है। फ्रेंचाइजी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पार्थिव मुख्य कोच आशीष नेहरा के नेतृत्व वाले सहयोगी स्टाफ में दोहरी भूमिका निभाएंगे। फ्रेंचाइजी ने यहां जारी बयान में कहा, 'गुजरात टाइटन्स को अपने नए सहायक और बल्लेबाजी कोच के रूप में पार्थिव पटेल की नियुक्ति की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज अपने 17 साल के शानदार करियर का अनुभव टीम के साथ जोड़ेगा।' बयान में कहा गया है, 'टाइटंस आईपीएल के आगामी सत्र के लिए तैयारी कर रहा है और ऐसे में पार्थिव की बल्लेबाजी तकनीक और रणनीति तैयार करने की क्षमता खिलाड़ियों के कौशल को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।' पार्थिव ने 2020 में क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। यह पहला अवसर होगा जबकि वह आईपीएल में कोच की भूमिका निभाएंगे। वह पिछले तीन सत्रों से मुंबई इंडियंस के लिए टैलेंट स्काउट के रूप में काम कर रहे थे। वह आईएलटी20 के पहले सत्र में एमआई अमीरात के बल्लेबाजी कोच भी रहे।

17 साल के आयुष को मेगा नीलामी में खरीद सकती है सीएसके

-प्रबंधन और धोनी हैं खेल से प्रभावित

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल की नीलामी में इस बार चेन्नई सुपर किंग्स सीएसके की टीम मुंबई के 17 वर्षीय सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को शामिल कर सकती है। माना जा रहा है कि इसी कारण आयुष को चयन ट्रायल के लिए बुलाया गया है। कहा जा रहा है कि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी आयुष से प्रभावित हैं। रणजी ट्रॉफी का पांचवां दौर 16 नवंबर को समाप्त हो रहा है, ऐसे में सीएसके के पास ट्रायल के लिए आठ दिन का समय है।

आयुष से सीएकके का प्रबंधन भी प्रभावित है। म्हात्रे को रणजी ट्रॉफी 2024 सीजन के पांचवें दौर के अंत के बाद और

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी की शुरुआत से पहले सीएसके ने ट्रॉयल के लिए बुलाया है। दोनों के बीच छह दिन का अंतर है। इससे सीएसके को 24 और 25 नवंबर को होने वाली मेगा नीलामी से पहले आंकलन का पर्याप्त समय मिल जाएगा।

आयुष ने शेष भारत के खिलाफ ईरानी कप खेल में मुंबई के लिए अपना प्रथम श्रेणी पदार्पण किया था। पृथ्वी शॉ के साथ बल्लेबाजी की शुरुआत करते हुए इस युवा ने दो पारियों में क्रमशः 19 और 14 रन बनाए। मुंबई के लिए अब तक के आंकड़े उसके अच्छे हैं। उसने पांच मैचों में 35.66 की औसत से 321 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। उनने 176 रन महाराष्ट्र के खिलाफ बनाये थे। एक रिपोर्ट के अनुसार सीएसके के प्रबंध निदेशक और सीईओ काशी विश्वनाथन ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) से अनुरोध किया था कि वे आयुषको उनके नवलूर मैदान में ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दें। सीएसके 55 करोड़ रुपए की राशि के साथ मेगा नीलामी में उतरेगा।

एटीपी फाइनल्स : सिनर ने फिट्ज को फिर से हराया, मेदवेदेव भी जीते

तूरिन (इटली) । विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट में टेलर फ्रिट्ज को सीधे सेटों में हराया। इटली के सिनर ने अपने घरेलू प्रशंसकों के सामने फ्रिट्ज को 6-4, 6-4 से हराया। उन्होंने इस साल अमेरिकी ओपन के फाइनल में भी अमेरिका के इस खिलाड़ी को सीधे सेटों में हराया था। टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज करने वाले सिनर ने कहा, 'मुझे घरेलू कोर्ट पर खेलना पसंद है। अगर आप अपने प्रशंसकों और आपका समर्थन करने वालों को पसंद करते हैं तो इससे काफी मदद मिलती है।' इससे पहले दानिल मेदवेदेव ने अलेक्स डी मिनौर को 6-2, 6-4 से हरा कर खुद को सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ में बनाए रखा। दुनिया के चोटी के आठ खिलाड़ियों के बीच खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में डी मिनौर अपना पहला मैच सिनर से हार गए थे।

पाकिस्तान को भारत के साथ क्रिकेट खेलना बंद कर देना चाहिए: पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज राशिद लतीफ ने कहा कि अगर उनके पास अधिकार होता तो वह पाकिस्तान को किसी भी टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ नहीं खेलने देते और उन्होंने साथ ही सुझाव दिया कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को दोनों देशों को तब तक वैश्विक प्रतियोगिताओं की मेजबानी का अधिकार नहीं देना चाहिए जब तक कि दोनों अपनी समस्याएं नहीं सुलझा लेते।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी टीम को आगामी चैंपियन्स ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया है और इस तरह की अटकलें हैं कि पूरे टूर्नामेंट का आयोजन देश से बाहर हो सकता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को पत्र लिखकर बीसीसीआई से लिखित में पुष्टि मांगी है कि भारत टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने में असमर्थ है।

लतीफ ने कहा, 'इस तरह की संभावना है कि पाकिस्तान भारत के खिलाफ क्रिकेट खेलना छोड़ सकता है। अगर मेरे पास अधिकार होता तो हां, मैं शायद यह कड़ा कदम उठा लेता। मैं इसके लिए किसी को दोषी नहीं ठहराऊंगा। अगर आप (पाकिस्तान में) नहीं खेलना चाहते तो फिर हमारे खिलाफ (बिलकुल भी) मत खेलिए। अगर मैं वहां होता तो मैं यह फैसला करता और बीसीसीआई के खिलाफ लड़ता।'

लतीफ ने सुझाव दिया कि मसलों का समाधान निकलने तक आईसीसी को भारत और पाकिस्तान दोनों को बड़े टूर्नामेंट की मेजबानी नहीं देनी चाहिए। पाकिस्तान के लिए 37 टेस्ट और 166 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने वाले लतीफ ने कहा, 'मेरे नजरिए से आईसीसी को दोनों देशों के मेजबानी अधिकार तब तक रोक कर रखने चाहिए जब तक कि उनके बीच के मुद्दे सुलझ नहीं जाते, जब तक कि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो जाता।' क्रिकेट में राजनीतिक हस्तक्षेप पर लतीफ ने आईसीसी के श्रीलंका (2023 में) और जिम्बाब्वे (2019 में) पर लगाए गए प्रतिबंध का जिक्र किया और सवाल किया कि वैश्विक संचालन संस्था भारत और पाकिस्तान के प्रति इतनी नरम क्यों है। आईसीसी ने पिछले साल नवंबर में देश में खेल के प्रशासन में कथित राजनीतिक हस्तक्षेप के लिए श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) को निलंबित कर दिया था। इस साल जनवरी में निलंबन हटा दिया गया। लतीफ ने कहा, 'भारत और पाकिस्तान पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया जा रहा है? क्योंकि आईसीसी का उन पर बहुत कुछ दांव पर लगा है।' इसे पूर्व क्रिकेटर ने पाकिस्तान में भारतीय टीम की सुरक्षा चिंताओं के बारे में बीसीसीआई के रुख की आलोचना करते हुए कहा कि आईसीसी की सुरक्षा टीम ने उनके देश का आकलन किया था और उसे सुरक्षित माना था। लतीफ ने कहा, 'मैं कहूंगा कि यह पहली बार है जब बीसीसीआई की गलती है। वे जो कारण बता रहे हैं वह बहुत कमजोर है। यह लिखित में होना चाहिए कि बीसीसीआई और भारतीय क्रिकेट टीम को खतरा महसूस हो रहा है।'

भारतीय टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अभ्यास मैच नहीं खेलना हो सकता है नुकसानदेह : गावस्कर

-नेट अभ्यास नहीं हो सकता मैच का विकल्प

मुम्बई । पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर सहित कई अनुभवी खिलाड़ियों ने कहा है कि भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अभ्यास मैच नहीं खेलकर एक बार फिर वही गलती करने जा रही है जो उसने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में की थी। परिणाम स्वरुप भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में करारी हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम को शुरुआती कार्यक्रम के अनुसार पहला टेस्ट मैच खेलने से पहले इंडिया 'ए' से दो अभ्यास मैच खेलने थे। इसके अलावा दूसरे टेस्ट मैच से पहले एक अभ्यास मैच प्राइम मिनिस्टर इलेवन से मैच खेलना था और इसके लिए तैयारियां भी हो गयीं थीं पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अचानक ही तीनों अभ्यास मैच रद्द कर दिये। इससे अब भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सीधे टेस्ट मैच से ही शुरुआत करेगी। इस टेस्ट मैच की तैयारी वह नेट अभ्यास से करेगी। वहीं गावस्कर ने लिखा, 'नेट प्रैक्टिस कभी भी अभ्यास मैच का विकल्प नहीं हो सकता। टेस्ट मैच खेलने के लिए एक जुनून की जरूरत होती है, जो सिर्फ मैदान पर बल्लेबाजी से आता है। नेट प्रैक्टिस से ऐसा नहीं हो सकता. उम्मीद है कि जिन्होंने भी प्रैक्टिस मैच और प्राइम मिनिस्टर इलेवन से मुकाबला रद्द किया है, वह इसे सही साबित करेंगे।'गावस्कर कहते हैं, 'बल्लेबाज जानते हैं कि अभ्यास मैच में आउट हो जाने के बाद वे दोबारा बल्लेबाजी नहीं कर सकते। इस कारण वॉर्म-अप या अभ्यास मैच किसी भी बल्लेबाज के लिए नेट अभ्यास से ज्यादा अहम होते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में अभ्यास की कमी के चलते भारतीय बल्लेबाज विफल रहे थे। सीरीज से पहले विराट कोहली और रोहित शर्मा से अभ्यास मैच खेलने को कहा गया था पर उन्होंने इंकार कर दिया था। इससे भारत को अपनी ही धरती पर पहली बार क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा था।

आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में फिर नंबर 1 पर पहुंचे शाहीन

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी एक बार फिर आईसीसी तेज गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंच गये हैं। इससे पहले वह पिछले साल हुए विश्व कप के दौरान भी शीर्ष पर पहुंचे थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बेहतर प्रदर्शन का लाभ उन्हें मिला है। इस सीरीज में शाहीन ने तीन मैचों में 12.62 के प्रभावशाली औसत से आठ विकेट लिए थे। वहीं शाहीन के ऊपर आने से दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज तीसरे स्थान पर फिसल गये हैं जबकि अफगानिस्तान के राशिद खान दूसरे स्थान पर बरकरार हैं।

बाबर का प्रदर्शन भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अच्छा रहा था।

शाहीन के अलावा हारिस राउफ़ भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ 10 विकेट लेकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें स्थान पर पहुंच गये हैं। इसके अलावा नसीम शाह भी 14 पायदान ऊपर आकर 55वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं बाबर आजम बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक पर कायम हैं। कप्तान मोहम्मद रिज़वान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ सीरीज़ में बल्लेबाजी के बाद 23वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो अफगानिस्तान के खिलाफ सिरीज के बाद 11 स्थान के लाभ से 23वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि अफ़गानिस्तान के अज़मतुल्लाह उमरज़ई 31वें स्थान पर पहुंच गए।

टी20 रैंकिंग में, इंग्लैंड के फिल साल्ट और जोस बटलर वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजों में दूसरे और छठे स्थान पर पहुंच गए। दक्षिण अफ्रीका के ट्रिस्टन स्टब्स 12 स्थान ऊपर आकर 26वें स्थान पर पहुंच गए। टी20 में गेंदबाजी रैंकिंग में भी बदलाव देखा गया, जिसमें श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा इंग्लैंड के आदिल राशिद के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए। वेस्टइंडीज के अकील होसेन और भारत के रवि बिश्नोई क्रमशः तीसरे और सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
उजाला संचार

ट्रेनी डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या मामले की राज्यपाल ने सीएम ममता से मांगी रिपोर्ट

-आरोपी संजय रॉय ने पूर्व पुलिस आयुक्त गोयल पर लगाए हैं गंभीर आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर से हुए दुष्कर्म और हत्या के मामले में ममता सरकार से तत्काल रिपोर्ट मांगी है। यह मामला तब चर्चा में आया जब मुख्य आरोपी संजय रॉय ने पूर्व पुलिस आयुक्त विनीत गोयल पर गंभीर आरोप लगाए गए। 11 नवंबर को सियालदह कोर्ट में पेशी के बाद संजय रॉय ने पुलिस वैन से बाहर आकर चिल्लाकर कहा था कि इस पूरी घटना की साजिश कोलकाता के पूर्व पुलिस आयुक्त विनीत गोयल ने रची है। संजय रॉय ने आरोप लगाया कि उसे झूठे आरोपों में फंसाया गया है। संजय रॉय ने इससे पहले 4 नवंबर को भी दावा किया था कि ममता सरकार उसे झूठे आरोपों में फंसा रही है और उसे चुप रहने की धमकी दी गई है। यह आरोप पुलिस और राज्य सरकार के लिए चुनौती बन गए हैं। जूनियर डॉक्टरों के विरोध के बाद ममता सरकार ने 17 सितंबर को विनीत गोयल को पुलिस कमिश्नर पद से हटा दिया था। इस मामले में गोयल की भूमिका की जांच जारी है। संजय रॉय द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद राज्यपाल ने सीएम से इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, जिससे मामले की गंभीरता और सत्यता का पता चल सके। राज्यपाल ने इस घटनाक्रम के बाद ममता सरकार से जल्द रिपोर्ट देने की अपील की है, ताकि आरोपों की जांच की जा सके और मामले में आगे की कार्रवाई की जा सके।

फिर पटरी से उतरे मालगाड़ी के 11 डिब्बे, 37 ट्रेनें रद्द, मरम्मत कार्य जारी

पेद्दापल्ली। तेलंगाना के पेद्दापल्ली जिले में एक मालगाड़ी के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए। यह घटना राघवपुरम और रामागुंडम के बीच उस समय हुई, जब मालगाड़ी लौह अयस्क लेकर जा रही थी। जानकारी के मुताबिक यह हादसा रात करीब 10 बजे हुआ और इस हादसे के चलते यातायात प्रभावित हो गया। 37 ट्रेनें रद्द कर दी गईं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द, डायवर्ट या रीशेड्यूल भी किया गया है। रेलवे अधिकारियों ने घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है, ताकि जल्द से जल्द ट्रैक को साफ किया जा सके और ट्रेनों का संचालन फिर से चालू किया जा सके। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि घटना के बाद से ट्रैक की मरम्मत का काम चल रहा है। साथ ही ट्रेन सेवाओं की बहाली के लिए सभी जरुरी कदम उठाए जा रहे हैं। अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति और मार्ग की जानकारी जरुर हासिल कर लें। रेलवे पुलिस और एजेंसियां घटना के कारणों की जांच कर रही हैं। जानकारी के मुताबिक मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतरने का कारण तकनीकी खराबी या अन्य दुर्घटना हो सकती है, लेकिन जांच के बाद ही सही जानकारी मिल सकेगी।

बिहार के लखीसराय में महिला नक्सली गिरफ्तार

पटना। बिहार पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने मंगलवार को लखीसराय जिले में एक महिला नक्सली को गिरफ्तार किया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। पीरी बाजार इलाके से गिरफ्तार की गई नक्सली की पहचान जमुई जिले की रहने वाली पंचू कोड़ा के रूप में हुई है। एसटीएफ की ओर से जारी बयान में कहा गया, ''गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ के अधिकारियों ने पीरी बाजार इलाके में एक परिसर में तलाशी ली और पंचू कोड़ा को गिरफ्तार कर लिया। मुंगेर और लखीसराय जिलों में सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ हिंसक घटनाओं में कथित भूमिका के लिए वह वांछित थी।'' बयान में कहा गया, ''मुंगेर और लखीसराय जिलों में शस्त्र अधिनियम से जुड़े कई मामलों में भी पुलिस को उसकी तलाश थी। उससे पूछताछ जारी है।'' एक अलग घटना में, हत्या और शस्त्र अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में वांछित मोहम्मद परवेज उर्फ मंटा को मंगलवार को मधेपुरा जिले से गिरफ्तार किया गया। उसपर पुलिस ने 25,000 रुपये का इनाम घोषित किया था। एसटीएफ ने मंगलवार को मधेपुरा के पुरैनी इलाके से मंटा को गिरफ्तार किया। बयान में कहा गया है कि मधेपुरा निवासी मंटा की पुलिस को हत्या और शस्त्र अधिनियम के तहत दर्ज कई मामलों में तलाश थी।

ईसाई समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाने वालों पर डेढ़ साल बाद एफआईआर

-पोप के अपमान पर हाईकोर्ट ने दिया पुलिस को निर्देश

अहमदाबाद। मेहसाणा जिले के कादी में ईसाई समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाने और पोप का अपमान करने वालों के खिलाफ डेढ़ साल पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने यह एफआईआर गुजरात हाईकोर्ट के आदेश के बाद दर्ज की है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। कादी पुलिस ने धार्मिक भावनाओं को भड़काने और दो समुदायों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने के इरादे से दुर्भावनापूर्ण कार्य के आरोप में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ आईपीसी की धारा 295ए और 153ए के तहत मामला दर्ज किया है। बता दें कि 15 अक्टूबर को न्यायमूर्ति संदीप भट्ट ने आदेश दिया था कि संबंधित मामले की अधिकारी चार सप्ताह में जांच कर निर्णय लेंगे। इसके दो सप्ताह के भीतर याचिकाकर्ता को जानकारी भी देंगे।

क्या है मामला -

अप्रैल 2023 में वडोदरा की एक नन मंजुला तुस्कानो ने अधिवक्ता उत्कर्ष दवे के माध्यम से एक एफआईआर दर्ज करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए विश्व हिंदू परिषद द्वारा कादी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ननों और पोप पर अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए एक अज्ञात वक्ता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। करीब 100 ननों ने वक्ता के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग की थी, जिसे ईसाइयों के खिलाफ कथित घृणास्पद भाषण देते हुए एक वायरल वीडियो में देखा जा सकता है। ननों के अनुसार, पुलिस ने शिकायत पर कार्रवाई न करने का आरोप भी लगाया था।

कांग्रेस ओबीसी और दलितों का अधिकार छीन कर मुस्लिमों को देना चाहती है: भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगाया है। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के बीच भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने मंगलवार को कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाया कि वह वोट हासिल करने के लिए मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है, देश को बांटने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस ओबीसी और दलितों का अधिकार छीन कर मुस्लिमों को देना चाहती है लेकिन भाजपा ऐसा होने नहीं देगी।

प्रसाद ने नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि देश की सबसे पुरानी पार्टी चुनावों के लिए राष्ट्रीय एकता के विरोधी संगठन के साथ गठबंधन कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस वोट लेने के लिए देश को तोड़ने का काम कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नारे एक रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे को जरूरी बताते हुए कहा कि चुनाव में कांग्रेस पार्टी का सफाया हो रहा है। कांग्रेस ओबीसी और दलितों का अधिकार छीन कर मुस्लिमों को देना चाहती है लेकिन भाजपा ऐसा होने नहीं देगी। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में वहां की कांग्रेस सरकार पब्लिक टेंडर में मुस्लिमों को चार प्रतिशत का आरक्षण देने का फैसला लिया है। धर्म के नाम पर किसी को आरक्षण नहीं दिया जा सकता। वोट बैंक के नाम पर कांग्रेस देश को तोड़ने का काम कर रही है। देश को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है।

घुसपैठिये के बहाने डराया धमकाया जा रहा

उन्होंने दावा किया कि जमीयत ए उलेमा जिला लोहरदगा, छोटा नागपुर ने फरमान जारी किया है कि मौजूदा मुल्क के हालात को देखते हुए मरकजी हुकूमत का मुसलमानों के ताल्लुक में जो रवैया है और जिस प्रकार मुसलमानों को एनआरसी, यूसीसी और वक्फ कानून लेकर घुसपैठिये के बहाने डराया धमकाया जा रहा है। उस सिलसिले में जमीयत ए उलेमा, झारखंड से मशवरे के बाद जमीयत ए उलेमा जिला लोहरदगा मूसलमानों से अपील करती है कि मुसलमान एक होकर इंडी गठबंधन के पक्ष में अपना वोट दें। भाजपा नेता ने कहा कि ये झारखंड और महाराष्ट्र की कहानी है। उन्होंने कहा कि ये सारी जमात वही है, जिसने तीन तलाक का भी विरोध किया था। इतने सालों के बाद आज भी कांग्रेस पार्टी न कुछ समझती है और न सुधरती है, बल्कि ऐसे तत्वों के बहाने ही चुनाव जीतने का षड्यंत्र करती है। प्रसाद ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री कहते हैं कि एक रहोगे तो सेफ रहोगे। कांग्रेस इस पर कटाक्ष करती है, चुनाव आयोग में जाती है। एकता से इन्हें परेशानी है, लेकिन देश को तोड़ने वाली ताकतों का खुला समर्थन लेते हैं। यही कांग्रेस और इंडी गठबंधन की सच्चाई है।

मोदी सरकार हर भारतवासी के स्वास्थ्य के लिए 4 सूत्रों पर काम कर रही : कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

जयपुर। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा से भाजपा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा है कि हम सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य व्यवस्था सुनिश्चित कर रहे हैं। इसी कड़ी में जोबनेर में 4.66 करोड़ की लागत से नवनिर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में चिकित्सा सेवाएं शुरू हो गई हैं। इससे क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को बहुत लाभ होगा। कर्नल राठौड़ का क्षेत्रीय जनता ने इसके लिए आभार जताया है। राठौड़ ने कहा, हम जनता की सेवा और सुविधाओं के लिए कोई कसर नहीं छोड़ने वाले है। यह हमारा वादा है और हम अपने हर वादे पूरे कर रहे हैं। कर्नल राठौड़ ने कहा, मोदी सरकार हर भारतवासी के स्वास्थ्य के लिए 4 सूत्रों पर काम कर रही है। पहला काम हैं, सभी को बीमार होने से बचाना। दूसरा काम हैं, बीमारी की स्थिति में सस्ता और अच्छा इलाज मुहैया करना। तीसरा काम मोदी सरकार कर रही हैं कि बेहतर और आधुनिक अस्पताल, पर्याप्त संख्या में अच्छे डॉक्टर इलाज करे। चौथा काम कर रही हैं कि मिशन मोड पर काम करके चुनौतियों को सुलझाना। कर्नल राठौड़ ने कहा, चाहे आयुष्मान भारत योजना हो,पीएससी, सीएचसी से लेकर वेलनेस सेंटर को मजबूत बनाना हो, योग से स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करना हो, या मेडिकल क्षेत्र में सीटों को बढ़ाना हो, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत कर देश के लोगों के स्वास्थ्य की चिंता की है।

तमिलनाडु में भारी बारिश के बाद, डेंगू, इन्फ्लूएंजा और वायरल संक्रमण में वृद्धि

चेन्नई (एजेंसी)। भारी बारिश के बीच तमिलनाडु के कई जिलों में राज्य स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू, इन्फ्लूएंजा और वायरल संक्रमण में वृद्धि संबंधी चेतावनी जारी कर दी है। राजधानी सहित कांचीपुरम, चेंगलपट्टू और तिरुवल्लूर में बुखार, श्वसन संक्रमण और वायरल रोगों के मामलों में वृद्धि देखी गई है। राज्य के विभिन्न हिस्सों से मलेरिया और लेप्टोस्पायरोसिस की रिपोर्ट भी सामने आई है। स्वास्थ्य विभाग ने निवासियों से विशेष रूप से बच्चों के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतने को कहा है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने तेज बुखार, ठंड लगना, खांसी, गले में खराश, शरीर में दर्द और सिरदर्द जैसे लक्षणों पर ध्यान देने की सलाह दी है। इस तरह के लक्षण अगर आपको दिखाई दें, तब तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। चेन्नई के एक निजी अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि अगर बच्चों में देखी जाने वाली सूखी खांसी अक्सर दो सप्ताह से अधिक समय तक बनी रहती है, जो वायरल संक्रमण का संकेत है। उन्होंने कहा कि 17 अक्टूबर को पूर्वोत्तर मानसून की शुरुआत के बाद से बुखार, सिरदर्द और गले के संक्रमण के मामलों में ठीक ठाक वृद्धि देखने को मिल रही है।

डॉक्टर ने बताया कि बुखार उतरने के बाद भी गले में संक्रमण बना रह सकता है और श्वसन, किडनी या लीवर की समस्या जैसी पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। बाहर खाने और पानी पीने से भी बचने की सलाह दी है, क्योंकि बरसात के मौसम में टाइफाइड जैसी जीवाणु संबंधी बीमारियां आसानी से फैल सकती हैं। डाक्टर ने माता-पिता को सलाह दी कि वह अपने बच?चों को केवल साफ और उबला हुआ पानी ही पीने दें।

जनवरी 2024 से तमिलनाडु में डेंगू के 18,000 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने निवासियों से मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए अपने घरों के आस-पास जमा पानी को साफ करने को कहा है। स्वास्थ्य मंत्री सुब्रमण्यम ने बताया कि विभाग दस जिलों चेन्नई, कोयंबटूर, कृष्णगिरि, तिरुप्पुर, तिरुवल्लूर, थेनी, मदुरै, तिरुनेलवेली, तंजावुर और तिरुचि में विशेष रूप से नजर बनाए हुए है। यहां से 57 फीसदी मामले सामने दर्ज किए गए हैं।

महाराष्ट्र चुनाव : पीएम मोदी और भाजपा से पूछे जयराम रमेश ने सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी के महासचिव संचार विभाग के अध्यक्ष जयराम रमेश ने पहले झारखंड को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से तीन सवाल पूछे थे इस बार उन्होंने महाराष्ट्र को लेकर सवाल पूछे। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया के माध्यम से पीएम मोदी से 3 सवाल किये।

वर्ष 2006 में कांग्रेस ने क्रांतिकारी वन अधिकार अधिनियम पारित किया था। इस कानून ने आदिवासियों और वन में रहने वाले अन्य समुदायों को अपने खुद के जंगलों का प्रबंधन करने और उनसे प्राप्त उपज से आर्थिक रूप से लाभ उठाने का कानूनी अधिकार दिया था। लेकिन भाजपा सरकार इसके कार्यान्वयन में बाधा डालती रही है, जिससे लाखों आदिवासी इसके लाभों से वंचित हो रहे हैं। महाराष्ट्र में कुल फाइल किए गए 4 लाख 01 हजार 46 व्यक्तिगत क्लेम्स में से केवल 52 प्रतिशत (2,06,620 क्लेम्स) मंजूर किए गए हैं। वहीं इसके तहत वितरित की गई भूमि, स्वामित्व सामुदायिक अधिकारों के लिए पात्र 50,045 वर्ग किलोमीटर का केवल 23.5 प्रतिशत (11,769 वर्ग किलोमीटर) है। महाराष्ट्र में भाजपा सरकार राज्य के आदिवासी समुदायों को उनके

अधिकार देने में क्यों विफल रही है?

सतारा, सांगली और सोलापुर में पीने के पानी की कमी की समस्या हाल के वर्षों में और गम्भीर हो गई है। मार्च और अप्रैल के बीच, सांगली में टैंकरों की आवश्यकता 13 प्रतिशत, सतारा में 31प्रतिशत और सोलापुर में 84 प्रतिशत बढ़ गई। क्षेत्र के बांध, तालाब और झीलें चिंताजनक रूप से तेज़ी से सूख रहे हैं। सोलापुर में हालात सबसे ज़्यादा ख़राब हैं। शहर के पानी के मुख्य स्रोत, उजानी बांध में पानी की आपूर्ति शून्य से नीचे गिर गई, और बांध में डेड स्टोरेज पर निर्भर रहा। स्थिति इतनी ख़राब हो गई कि सोलापुर नगर निगम को अब बारी-बारी से पीने के पानी की आपूर्ति करनी पड़ी। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पांच से आठ दिनों के अंतराल पर पानी मिल रहा था। भाजपा ने उन हज़ारों लोगों की दुर्दशा को नज़रअंदाज़ क्यों किया है जो पानी की कमी से जूझते हैं? क्या इस स्थिति को सुधारने के लिए उनके पास कोई ठोस योजना है?

महाराष्ट्र में एक दिन में औसतन सात किसान अपना जीवन समाप्त कर लेते हैं। दिल दहला देने वाला यह आंकड़ा किसी और की तरफ़ से नहीं बल्कि राज्य के राहत और पुनर्वास मंत्री की ओर से आया है। उन्होंने बताया कि पिछले साल जनवरी से अक्टूबर के बीच 2,366 किसानों की आत्महत्या से मौत हुई। कारण स्पष्ट हैं- पिछले साल 60 प्रतिशत ज़िलों को सूखे की स्थिति का सामना करना पड़ा लेकिन सरकार से कोई मदद नहीं मिली। पिछले साल 60 फ़ीसदी ज़िलों में सूखे की स्थिति थी लेकिन सरकार की ओर से कोई मदद नहीं मिली। जब राज्य के आधे से ज़्यादा हिस्से में बेमौसम बारिश से फसलें बर्बाद हो गईं, तो किसानों को क़र्ज़ माफ़ी की सुविधा दी गई, लेकिन सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी के कारण 6.56 लाख किसान इस राहत से वंचित रह गए। इस तरह की उदासीनता और लापरवाही के सामने कांग्रेस लगातार स्वामीनाथन आयोग की सिफ़ारिशों के अनुसार एमएसपी, क़र्ज़ माफ़ी के लिए एक स्थायी ऋण आयोग की स्थापना का और 30 दिनों के भीतर सभी फ़सल बीमा क्लेम्स के निपटान की गारंटी की गारंटी की बात करती रही है। महाराष्ट्र में भी हमने 'कृषि समृद्धि' की गारंटी दी है। इसके तहत किसानों के 3 लाख रुपए तक के क़र्ज़ माफ़ किए जाएंगे और नियमित ऋण भुगतान करने पर 50 हज़ार रुपए का प्रोत्साहन दिया जाएगा। महाराष्ट्र और भारत के किसानों की बेहतरी के लिए भाजपा के पास क्या विज़न क्या है?

भाजपा ने शेयर किया देवेंद्र फडणवीस के बैग की चेकिंग का वीडियो, कहा- संविधान का दिखावा करता है विपक्ष

मुंबई(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने अपने नेता देवेंद्र फडणवीस का एक वीडियो शेयर किया है। यह वीडियो एक एयरपोर्ट का है जिसमें दिखाया गया है कि फडणवीस का बैग चेक किया जा रहा है। भाजपा ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा है कि वह केवल संविधान की किताब हाथ में लेकर दिखावा करते हैं।

भाजपा महाराष्ट्र ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एयरपोर्ट का वीडियो शेयर किया और बताया कि 7 नवंबर को यवतमाल जिले में देवेंद्र फडणवीस का बैग चेक किया गया। लेकिन उन्होंने न तो इसका कोई वीडियो बनाया, न ही किसी तरह का हंगामा किया। इससे पहले, 5 नवंबर को कोल्हापुर हवाई अड्डे पर भी देवेंद्र फडणवीस का बैग चेक किया गया था। (यह वीडियो 5 नवंबर का है।) भाजपा ने पोस्ट में आगे कहा कि सिर्फ संविधान की बातें करना ही नहीं, बल्कि संविधान के प्रावधानों का पालन करना भी ज़रूरी है। हमारी बस इतनी सी गुज़ारिश है कि हर किसी को संविधान का सम्मान और पालन करना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने एयरपोर्ट पर चुनाव आयोग के कर्मचारियों द्वारा उद्धव ठाकरे के बैग चेक

करने पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा था, आप हमारा सामान चेक कीजिए, लेकिन देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे, अजीत पवार नरेंद्र मोदी और अमित शाह के हेलीकॉप्टर और उनकी गाड़ियों के काफिले को रोककर जांच करते हो क्या?

रिपोर्ट के अनुसार, उद्धव ठाकरे राज्य विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सोमवार को यवतमाल जिले के वाणी में संजय देरकर के प्रचार के लिए पहुंचे थे। हेलीकॉप्टर से उतरते ही चुनाव आयोग के कर्मचारियों ने उनका बैग चेक किया, जिसको लेकर महाराष्ट्र की सियासत गरमाई हुई है। इस दौरान, उद्धव ठाकरे ने कहा था, 'मेरे बैग की जांच की जा रही है। मुझे कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन मेरा सीधा-सा सवाल है कि क्या कभी इस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बैग की जांच की गई है?' ज्ञात हो कि महाराष्ट्र की कुल 288 विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को मतदान होंगे और नतीजों की घोषणा 23 नवंबर को होगी।

सड़क, फुटपाथ, रेलवे लाइन या जल निकाय पर अनाधिकृत कब्जे पर जारी रहेगा बुलडोजर एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर एक्शन के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर सख्त टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने कहा कि आरोपी या दोषी का घर नहीं गिराया जा सकता है, यह किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अपना घर हो, अपना आंगन हो, इस ख्वाब में हर कोई जीता है। सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा कि इस मामले में मनमाना रवैया बर्दाश्त नहीं होगा। अधिकारी मनमाने तरीके से काम नहीं कर सकते। बिना सुनवाई आरोपी को दोषी नहीं करार दे सकते है।

अब सवाल उठ रहा है कि क्या सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद बुलडोजर एक्शन पर पूरी तरह से बंद हो जाएगा। लेकिन हम आपको बता रहे हैं कि किस तरह के मामलों में सुप्रीम कोर्ट के द्वारा बताए गए निर्देश नहीं लागू होने वाले है। बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देश सड़क, फुटपाथ, रेलवे लाइन या जल निकाय पर अनाधिकृत कब्जे पर सुप्रीम

कोर्ट के दिशा-निर्देश लागू नहीं होने वाले है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम साफ करते हैं कि ये निर्देश उन मामलों में लागू नहीं होने वाले हैं, जहां सड़क, गली, फुटपाथ, रेलवे लाइन से सटे या किसी नदी या जल निकाय जैसे किसी सार्वजनिक स्थान पर कोई अनाधिकृत संरचना है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आज का फैसला उन मामलों में भी लागू नहीं होंगा, जहां न्यायालय द्वारा ध्वस्तीकरण का आदेश दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अधिकारियों को बताया जाना चाहिए कि अगर बुलडोजर एक्शन कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन पाया जाएगा, तब संबंधित अधिकारियों को नुकसान के भुगतान के अलावा ध्वस्त की गई संपत्ति की प्रतिपूर्ति के लिए अपने व्यक्तिगत खर्च पर जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

अंतरिक्ष से दिखा दिल्ली का बढ़ता प्रदूषण, नासा ने भेजी तस्वीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी एजेंसी नासा ने सैटेलाइट के जरिए अंतरिक्ष से दिल्ली के खतरनाक प्रदूषण और पंजाब और हरियाणा में भीषण आग की तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने को दिल्ली एनसीआर के वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। दिल्ली एनसीआर में इस समय लोग खतरनाक वायु प्रदूषण से जूझ रहे हैं। यहां हवा काफी खराब है।

बता दें कि दिल्ली में जैसे-जैसे तापमान गिरता है, वैसे वायु की गुणवत्ता खराब होने लगती है। पराली को रोकने के लिए काफी प्रयासों के बावजूद इस साल भी पराले जलने जैसी घटनाएं आम हैं। दिल्ली में प्रदूषण के बीच नासा के लाइव फायर मैप में पंजाब और हरियाणा में भीषण आग दिखाई दे रही है और इन इलाकों में प्रदूषण भी हो रहा है। इस साल भी अक्टूबर के अंत और नवंबर के पहले सप्ताह में नासा के उपग्रहों ने सिंधु-गंगा के मैदान में आग लगने और धुएं के गुबार पता लगाया है। पराली से पंजाब के घनी आबादी वाले इलाके, उत्तर भारत और पाकिस्तान प्रभावित होते हैं। पंजाब के किसान अक्सर खेतों को गेहूं की फसल के लिए तैयार करने के लिए धान के अवशेषों को जला देते हैं। इससे बहुत ज्यादा प्रदूषण फैलता है।

कई जगह एक्यूआई 400 से अधिक

केंद्रीय प्रदूषण एवं नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार राजधानी दिल्ली में बुधवार सुबह 6 बजे तक औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 349 अंक रहा है, जबकि गाजियाबाद में 276, ग्रेटर नोएडा में 289 और नोएडा में 269 अंक है। दिल्ली के आया नगर में सबसे अधिक 406 एक्यूआई है। मौसम विभाग के मुताबिक राजधानी दिल्ली के अधिकतर इलाकों में सुबह 6 बजे तक एक्यूआई लेवल 300 से ऊपर और 400 के बीच रहा है।

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
उजाला संचार

संक्षिप्त समाचार

मंडुवाडीह में लुटेरा गिरफ्तार, लूट का दो हजार नकद बरामद

उजाला संचार, वाराणसी। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर अपराध और अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के तहत मंडुवाडीह पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एफसीआई गोदाम के पास से लूट के मामले में वांछित को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूट का 21 सौ नकद बरामद किया है। इस संबंध में मंडुवाडीह थाना प्रभारी निरीक्षक भरत उपाध्याय ने बताया कि 20 अक्टूबर को लहरतारा फ्लाई ओवर मोटर साइकिल पर पीछे बैठकर जा रही महिला का लेडिज बैग लूट लिया। इस मामले में महिला की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था। इस मामले में दो लुटेरों को गिरफ्तार कर माल बरामद कर जेल भेजा जा चुका है। एक अन्य लुटेरा वांछित था। लहरतारा चौकी प्रभारी पवन कुमार यादव को दोपहर में मुखबिर से सूचना मिली की एफसीआई गोदाम के पास लूट के मामले में वांछित खड़ा है। इस सूचना पर उन्होंने बरेका चौकी प्रभारी सत्यम तिवारी के साथ वहां घेराबंदी करके वांछित को धर दबोचा। पकड़ा गया लुटेरा विनय कुमार भारद्वाज अखरी कुरहुआ रोहनिया का निवासी है।

मार्कण्डेय धाम का वार्षिक श्रृंगार उत्सव आज

उजाला संचार, चौबेपुर। कैथी स्थित मार्कण्डेय महादेव मंदिर का 82 वां वार्षिक श्रृंगार उत्सव गुरुवार को मनाया जाएगा। मंदिर को आकर्षक ढंग से झालरों और फूलों से सजाया गया है। गोस्वामी प्रबंध समिति के अध्यक्ष बजरंगी गिरि एवं मंत्री संतोष कुमार गिरि ने बताया कि मुख्य अतिथि हथियाराम मठ के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर भवानी नंदन यति होंगे। महाआरती शाम आठ बजे होगी।

40 आईएएस अफसरों को पदोन्नति का तोहफा, वाराणसी के समेत पांच शहरों के जिलाधिकारी बनेंगे कमिश्नर

उजाला संचार, वाराणसी। उत्तर प्रदेश में 2009 बैच के 40 आईएएस अफसरों को विशेष सचिव और डीएम रैंक से पदोन्नति देकर सचिव कमिश्नर रैंक किया जाएगा। इसमें वाराणसी समेत पांच शहरों के जिलाधिकारी भी शामिल हैं। जिले के जिलाधिकारी एस राजलिंगम को पदोन्नति देकर कमिश्नर बनाया जाएगा। इनके साथ ही लखनऊ के जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार, गाजियाबाद के जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह, मथुरा के जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह और कानपुर के जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह को भी पदोन्नति मिली है।

सपा नेता विजय यादव विज्जू पर फायरिंग मामले में पांच आरोपितों पर लगा गैंगस्टर

उजाला संचार, वाराणसी: मीरघाट पर चार महीने पहले 30 जून को सपा नेता विजय यादव विज्जू के घर पर हुई फायरिंग मामले में पुलिस ने सख्त कदम उठाए हैं। इस हमले में एक मासूम समेत अन्य लोग घायल हो गए थे। दशाश्वमेध पुलिस ने मुख्य आरोपी पूर्व पार्षद अंकित यादव समेत पांच आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की है। इन आरोपियों का आपराधिक इतिहास रहा है, जिसके कारण पुलिस ने यह कठोर कदम उठाया। एसीपी दशाश्वमेध प्रज्ञा पाठक ने बताया कि आरोपियों में सुतटोला रामघाट निवासी गोविंद यादव, कोतवाली के मच्छोदरी श्याम बाजार निवासी पूर्व पार्षद अंकित यादव, रामनगर के सूजाबाद निवासी साहिल यादव उर्फ अतुल, चौक के सिद्धेश्वरी शीतला गली निवासी शिवम शर्मा और शोभित शर्मा (दोनों सगे भाई) शामिल हैं। इस मामले में वांछित प्रशांत यादव, जो ईश्वरगंगी का निवासी है, को विश्वनाथ गली के सामने से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मच गया है।

बरेका कम्युनिटी हॉल में संयुक्त पुलिस आयुक्त के. एजिलरसन ने लगाया जन चौपाल

उजाला संचार/रोशन राय

वाराणसी। पुलिस कमिश्नरेट के मंडुआडीह थाना क्षेत्र के बरेका कम्युनिटी हॉल में संयुक्त पुलिस आयुक्त के. एजिलरसन ने जन चौपाल लगाया। जिसमें जनता की शिकायतों पर निस्तारण हेतु ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर ने सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को उचित कार्यवाही हेतु दिशा निर्देश दिया गया।

जलालीपट्टी निवासी राजेश पटेल ने अपने परिचितों द्वारा ट्रक दिलवाने व अच्छे मुनाफे का लालच देकर 22 लाख रुपए की ठगी का शिकायत किया जिस पर जेसीपी ने शिकायतकर्ता के मामले में संज्ञान न लेने पर बरेका चौकी प्रभारी को फटकार लगाते हुए मामले का तुरंत निस्तारण का निर्देश दिया

मड़ौली क्षेत्र की निवासी महिलाओं ने अपने पार्षद घासी पटेल की निष्क्रियता से आजिज आकर जन चौपाल में पहुँचे। उन्होंने अपने जन प्रतिनिधि के द्वारा अपने क्षेत्र में व्याप्त गन्दगी और सीवर की समस्या की ओर ध्यान न देने के मामले में जेसीपी साहब के सामने मामला उठाया। जिसपर ज्वाइन्ट पुलिस कमिश्नर ने पार्षद से दिशा निर्देश देते हुए मामले को लेकर लखनऊ संबंधित अधिकारियों तक जाने का मार्गदर्शन दिया। क्षेत्रीय महिलाओं में जुली सिन्हा, कनक भंडारी, सरिता यादव, बिंदु प्रकाश, मिना देवी, बीना गोंड, व उर्मिला प्रकाश उपस्थित रही जिन्हे जे सी पी ने गंदगी साफ करने के लिए महिलाओं सहित खुद क्षेत्र में आने का वादा किया।

मंडुआडीह निवासी महिला गीता देवी ने अपने ससुरालीजनों द्वारा मारपीट कर घर से बाहर निकालने का आरोप लगाया। जिसपर ज्वाइन्ट पुलिस आयुक्त ने जन चौपाल के बाद तुरंत महिला सब इंस्पेक्टर को दो कांस्टेबल के साथ जाकर घर में प्रवेश दिलाने का निर्देश दिया।

पार्षद राजेश कन्नौजिया ने चांदपुर चौराहे से संचालित हो रहे अवैध बस स्टैंड का मुद्दा उठाया। जिसपर ज्वाइन्ट पुलिस आयुक्त ने मंडुआडीह थाना प्रभारी भरत उपाध्याय को तीन घंटे के अंदर बस स्टैंड हटवाने का निर्देश दिया। वहीं पार्षद ने चांदपुर चौराहे के समीप स्थित मंदिर व स्कूल के पास देसी, अंग्रेजी शराब व बीयर की दुकानों को भी वहाँ से कही और हटवाने का अनुरोध किया जिसे जेसीपी साहब ने एक हफ्ते के भीतर निस्तारण करने हेतु मंडुआडीह थाना प्रभारी भरत उपाध्याय को निर्देश दिया। इस दौरान वीडीओ काशी विद्यापीठ, बिजली विभाग, नगर निगम व पीडब्लूडी के तमाम अधिकारी रहे मौजूद।

चौकी प्रभारी बरेका ने शिकायतकर्ताओं के मामलों का गंभीरता से किया निस्तारण

वाराणसी। चौकी प्रभारी बरेका सत्यम तिवारी के अनुसार ट्रक दिलवाने के मामले में शिकायतकर्ता राजेश पटेल निवासी जलालीपट्टी अभी तक नही पहुँचे। अपने ससुरालीजनों से प्रताड़ित महिला गीता देवी के मामले में मुकदमा दर्ज हुआ। नाथूपुर शराब ठीके के आसपास अभियान चलाकर पुलिस का गस्त और भ्रमण लगातार जारी है। बरेका चौकी के बाहर खड़े दो पहिया वाहनों को चौकी परिसर के अंदर शिफ्ट किया गया। बरेका व्यापार मंडल के संयोजिका योगिता तिवारी द्वारा पिंक बूथ का मामला उठाने पर एक महीना के अंदर पुरी व्यवस्था करने का प्रबंध किया जा रहा है।

देव दीपावली पर काशी में होगा दिग्गजों का जमावड़ा

पीएम मोदी वर्चुअली शामिल होंगे

उजाला संचार

वाराणसी: काशी नगरी में इस बार देव दीपावली का पर्व भव्यता और गौरव के साथ मनाया जाएगा। इस आयोजन में देश के दिग्गज नेता और उच्च पदाधिकारी शामिल होंगे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बनारस में उपस्थित रहेंगे, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

देव दीपावली पर काशी के 84 घाट दीयों की रोशनी से जगमग हो जाएंगे। गंगा आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए अद्वितीय अनुभव लेकर आएगा। उपराष्ट्रपति धनखड़ अपने काशी दौरे के दौरान धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों का दौरा भी करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सुरक्षा और आयोजन की तैयारियों का निरीक्षण करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन में काशी की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर पर चर्चा होगी। प्रधानमंत्री का संदेश इस आयोजन को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाने में मदद करेगा।

देव दीपावली के अवसर पर घाटों पर विशेष सजावट और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। इस भव्य आयोजन में लाखों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। काशी में इस पर्व को देखने देश-विदेश से पर्यटक भी आते हैं, जिससे स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिलता है। इस बार का आयोजन काशी के गौरव और अध्यात्म का अनोखा संगम होगा, जो देशभर के लोगों को आकर्षित करेगा।

देव दीपावली पर गंगा में 1200 स्क्वायर फीट फ्लोटिंग स्क्रीन पर दिखेगी काशी की छवि

घाट पर बैठे लुफ्त उठा सकेंगे पर्यटक

उजाला संचार

वाराणसी। देव दीपावली के अवसर पर गंगा में देश के सबसे बड़े फ्लोटिंग स्क्रीन का उद्घाटन होगा। इस 1200 स्क्वायर फीट के स्क्रीन पर काशी की प्राचीन विरासत, बाबा विश्वनाथ की आरती, टूरिज्म प्रमोशन और ब्रांड प्रचार का प्रसारण किया जाएगा, जो घाटों पर बैठे सैलानियों और नावों पर सवार पर्यटकों को अद्वितीय अनुभव देगा।

संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर अक्षय आनंद ने बताया कि प्रशासन से फ्लोटिंग स्क्रीन संचालन की अनुमति मांगी गई है और अनुमति मिलते ही देव दीपावली से इसका संचालन आरंभ किया जाएगा। इस फ्लोटिंग स्क्रीन पर पर्यटक काशी विश्वनाथ मंदिर की आरती का सीधा प्रसारण देख सकेंगे, जिससे घाटों पर होने वाली देव दीपावली की भव्यता और भी बढ़ जाएगी।

इसके अलावा, गंगा में सैर के दौरान पर्यटक इस स्क्रीन पर प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं और अन्य महत्वपूर्ण कार्यों के बारे में भी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। गंगा के बहते पानी पर इस स्क्रीन का प्रतिबिंब न केवल धार्मिक अनुभव को बढ़ाएगा, बल्कि टूरिज्म को बढ़ावा देने का एक अनूठा प्रयास होगा। देव दीपावली पर आयोजित इस कार्यक्रम से काशी के पर्यटन उद्योग में एक नई परंपरा का आगमन होगा, जो वाराणसी की ऐतिहासिक और धार्मिक महत्ता को और अधिक बढ़ाएगा।

सपा के नए पोस्टर से हलचल, अखिलेश और राहुल महाभारत के किरदार में

उजाला संचार

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की राजनीति में पोस्टर वॉर थमने का नाम नहीं ले रहा है। उपचुनाव और सरकार पर चल रहे सियासी हमलों के बीच, काशी में समाजवादी पार्टी (सपा) का एक नया पोस्टर चर्चा में है। इस पोस्टर में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और सांसद राहुल गांधी को महाभारत के पात्रों के रूप में दिखाया गया है, जहां अखिलेश यादव को भगवान कृष्ण और राहुल गांधी को अर्जुन की भूमिका में प्रस्तुत किया गया है।

यह पोस्टर महाभारत के दृश्य पर आधारित है, जिसमें गीता के श्लोक भी उद्धृत किए गए हैं। साथ ही, पोस्टर में संकल्प 2024, लक्ष्य 2027 लिखा गया है, जो 2024 के लोकसभा और 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों की ओर संकेत करता है। सपा छात्रसभा के महानगर प्रवक्ता आलोक सौरभ द्वारा लगाए गए इस पोस्टर के बाद इसे लेकर कचहरी चौराहे पर और सोशल मीडिया पर चर्चाएं तेज हो गई हैं, जहां पोस्टर के प्रतीकात्मक संदेश पर तीखी बहस छिड़ी हुई है।

अलोक सौरभ पांडेय ने बताया कि हमारी मंशा है कि 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार पूर्ण बहुमत से बने, अखिलेश यादव मुख्यमंत्री पद की शपथ लें। इस समय उत्तर प्रदेश में महंगाई और बेरोजगारी की मार से सभी वर्गों के लोग परेशान हैं।

इस समय समाजवादी पार्टी के साथ कांग्रेस ने गठबंधन किया है, इसलिए इस पोस्टर में योद्धा के तौर पर राहुल गांधी नजर आ रहे हैं। कहा कि यूपी में सपा इस समय सबसे बड़ी पार्टी है। राष्ट्रीय स्तर पर देश में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी सपा है। लोकसभा चुनाव में हमलोगों ने 37 सीटों पर जीत हासिल की है। ऐसे में यूपी में अखिलेश यादव पूरे गठबंधन को राह दिखाकर निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

काशी नरेश की जमीन में तीनों बेटियों का हिस्सा

राजस्व परिषद ने पिछली आदेशों को किया निरस्त

उजाला संचार

वाराणसी। पूर्व काशी नरेश डॉ. विभूति नारायण सिंह की परेड ग्राउंड, ग्राम कोदोपुर की जमीन पर उनकी तीनों बेटियों, विष्णुप्रिया, हरिप्रिया और कृष्णप्रिया का नाम दर्ज करने में अब कोई कानूनी अड़चन नहीं है। उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद के न्यायिक सदस्य साहिब सिंह ने इस संबंध में फैसला सुनाते हुए एसडीएम और तहसीलदार के पूर्व आदेशों को निरस्त कर दिया। उन्होंने यह निर्देश दिया कि सदर तहसील के नायब तहसीलदार के न्यायालय में इस नामांतरण वाद को गुणदोष के आधार पर दो माह के भीतर निस्तारित किया जाए।

महाराजा की पुत्रियों विष्णुप्रिया, हरिप्रिया और कृष्णप्रिया ने इस मामले में अपने छोटे भाई अनंत नारायण सिंह के खिलाफ नायब तहसीलदार की अदालत में वाद दाखिल किया था। इनकी ओर से विधिक सलाहकार अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि काशी नरेश और उनकी पत्नी महारानी जयंती देवी के जीवनकाल में ही पारिवारिक समझौता हुआ था। इस समझौते के अनुसार, ग्राम कोदोपुर की पूरी संपत्ति तीनों बहनों के नाम होनी थी और वे 16 जुलाई 1970 से इस संपत्ति पर

काबिज हैं।

हालांकि, संपत्ति के कागजात में इनका नाम दर्ज नहीं हुआ था। इसके बाद उनके भाई अनंत नारायण सिंह ने विरासत के आधार पर इस संपत्ति पर अपना नाम दर्ज करा लिया। महाराजा विभूति नारायण सिंह के निधन के बाद, आठ अगस्त 2001 की खतौनी में अनंत नारायण का नाम दर्ज हो गया, जिसके बाद तीनों बहनों ने इसे निरस्त करने की मांग की, ताकि उनके नाम पर संपत्ति दर्ज की जा सके।

हालांकि, नायब तहसीलदार और उप जिलाधिकारी के न्यायालय ने तीनों बहनों के दावे को पोषणीय नहीं मानते हुए खारिज कर दिया था। इसके बाद, बहनों ने 28 दिसंबर 2023 को उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद में निगरानी याचिका दाखिल की। इस याचिका पर सुनवाई के बाद परिषद ने सभी कानूनी अड़चनों को हटाते हुए नामांतरण प्रक्रिया को दो माह में निस्तारित करने का आदेश दिया।

काशीराज की संपत्ति का बंटवारा

महाराजा विभूति नारायण सिंह ने 16 जुलाई 1970 को अपनी संपत्ति को चार हिस्सों में विभाजित किया था। उन्होंने मद अ में अपनी भूमि जैसे रामनगर का फर्राशखाना और ग्रासफार्म, मद ब में महारानी के लिए बाग पटनवा और पटनवा ग्राम, मद स में अपने पुत्र अनंत नारायण के लिए खजुरी कोठी और अन्य संपत्ति, और मदद में अपनी तीनों पुत्रियों के लिए रामनगर का परेड ग्राउंड, जाल्हूपुर कोठी, भदोही में बैंक बिल्डिंग सहित अन्य संपत्तियां रखी थीं।

डायबिटीज डे पर वॉकाथॉन का आयोजन, लोगों को मिला जागरूकता का संदेश

उजाला संचार

वाराणसी। सुंदरपुर स्थित डायबिटीज एण्ड एंडोक्राइन केयर सुपर स्पेशलिटी क्लिनीक ने विश्व डायबिटीज डे के अवसर पर गुरुवार को जागरूकता वॉकथॉन का आयोजन किया। यह वॉकाथॉन बीएचयू गेट लंका से शुरू होकर अस्सी घाट पर समाप्त हुआ। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर डायबिटीज के प्रति जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। समापन कार्यक्रम में डायबिटीज एवं हार्मोन रोग विशेषज्ञ डॉ. अलंकार तिवारी ने उपस्थित लोगों को डायबिटीज से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं, संतुलित खानपान के नियमों और इस रोग से बचाव के उपायों की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. सौम्या पाण्डेय, डायरेक्टर प्रभास, डायग्नोस्टिक सेंटर सुंदरपुर वाराणसी व अन्य उपस्थित रहे।

बीएचयू का दीक्षांत समारोह 14 से 16 दिसंबर तक

उजाला संचार, वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) का 104वां दीक्षांत समारोह 14 से 16 दिसंबर के बीच आयोजित होगा, जिसमें अलग-अलग संकायों के छात्र-छात्राओं को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। जो छात्र समारोह में उपस्थित नहीं हो पाएंगे, उनकी डिग्री एक महीने बाद घर भेज दी जाएगी। छात्रों को अपने स्थाई पते में बदलाव की सूचना परीक्षा नियंता को देनी होगी।

वाराणसी पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़

शातिर चेन स्नेचर बहादुर पाल पुलिस की जवाबी फायरिंग में घायल

उजाला संचार

वाराणसी। आज सुबह, चौबेपुर थाना क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच एक मुठभेड़ हुई, जिसमें एक शातिर चेन स्नेचर पुलिस के जवाबी फायरिंग से घायल हो गया, जिसको पुलिस ने घायलावस्था में गिरफ्तार कर लिया।

यह मुठभेड़ तब हुई जब पुलिस को इस बदमाश की रजवाड़ी हवाई पट्टी के पास होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही चौबेपुर और सारनाथ पुलिस की संयुक्त टीम ने बदमाश को घेरने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस ने जैसे ही रजवाड़ी हवाई पट्टी के पास बदमाश को घेर लिया, वह अपने आपको घिरता देख घबराते हुए पुलिस पर फायरिंग करने लगा। पुलिस ने भी तत्परता से जवाबी फायरिंग की, जिससे बदमाश के पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर मोटरसायकिल से गिर गया। जिसे पुलिस ने तुरंत बदमाश को गिरफ्तार कर लिया और उसका सीएचसी पर प्राथमिक उपचार करा कर बीएचयू ट्रॉमा सेंटर भेज दिया।

घायल बदमाश की पहचान बहादुर पाल के रूप में हुई है। बहादुर पाल एक शातिर किस्म का व्यक्ति है, जो पिछले कुछ वर्षों से चौबेपुर और सारनाथ थाना क्षेत्र में चेन स्नेचिंग और अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बहादुर पाल पर कई मामलों में आरोपी है, जिसमें चेन स्नेचिंग, चोरी और अन्य अपराध शामिल है। उसकी गिरफ्तारी को पुलिस ने बड़ी सफलता के रूप में देखा है, क्योंकि वह लंबे समय से पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ था।

बहादुर पाल के खिलाफ पहले से ही कई मामले दर्ज थे, जिनमें प्रमुख रूप से चेन स्नेचिंग और सड़क किनारे लूट की घटनाओं का उल्लेख किया गया था। पुलिस ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर दिन-दहाड़े महिलाओं से चेन, मोबाइल और अन्य सामान छीनता था। इसके अलावा, उसके खिलाफ अन्य गंभीर आरोप भी थे, जिनकी जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

मुठभेड़ की सूचना मिलते ही एडीसीपी वरूणा सरवणन और एसीपी सारनाथ डा०अतुल अंजान त्रिपाठी ने घटनास्थल पर पहुंचकर घायल बदमाश को हिरासत में लिया और उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस अब उसके आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है, और उपचार के बाद जेल भेजा जाएगा।

उजाला संचार - मुद्रक, प्रकाश, प्रधान संपादक **महेंद्र कुमार सोनकर** द्वारा मीडिया टेक्स्ट, प्रा.लि. गोबिंदपुर, जीटी रोड, रोहनिया (वाराणसी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। भिखारीपुर, बीएलडब्ल्यू, शहर वाराणसी, (उ.प्र.)। संपर्क : 0542-4059021, 9696104265, 9696104269

समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों के लिए समस्त वाद वाराणसी न्यायाल के अधीन होंगे।